हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 77 | जौनपुर, मंगलवार 12 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

देश मोदी-शाह का कर्जदार रहेगा : तुषार मेहता

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने पर केंद्र की दलीलें पेश करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पांच–न्यायाधीशों की पीठ के फैसले और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की है। मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ द्वारा अपना फैसला सुनाए जाने के बाद जारी एक बयान में कहा कि यह केवल हमारे माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदीजी की दृढ़ इच्छाशक्ति और हमारे माननीय गृह मंत्री अमित शाहजी की दृढ़ संकल्प और शानदार रणनीति है जिसने इस ऐतिहासिक निर्णय को संभव बनाया है। देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त, 2019 और आज की तारीख भारत के इतिहास में दर्ज की जाएगी, जब अतीत की एक भारी संवैधानिक भूल को अंततः सरकार द्वारा ठीक किया गया था।

कुमारस्वामी बोले गिर सकीती है कांग्रेस सरकार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। एक ओर जहां कांग्रेस तेलंगाना में जीत के बाद 2024 को लेकर दक्षिण भारत में आश्वस्त नजर आ रही है तो वहीं विपक्षी दल कर्नाटक में उसे घेरने की तैयारी में हैं। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने कर्नाटक में कांग्रेस को लेकर बड़ा दावा किया है। कुमारस्वामी ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस के भीतर सबकुछ ठीक नहीं है। सिद्धारमैया की कांग्रेस सरकार गिर सकती है क्योंकि एक प्रभावशाली मंत्री भाजपा में शामिल हो सकते हैं। एचडी कुमारस्वामी के इस दावे के बात कर्नाटक में राजनीतिक चर्चा जोरों पर है। एक की रिपोर्ट के अनुसार, जेडीएस नेता ने कहा कि संबंधित मंत्री पाला बदल सकते हैं क्योंकि वह केंद्र द्वारा उनके खिलाफ दायर मामलों से बचने के लिए बेताब हैं।

धीरज साहू से कांग्रेस ने भी बनाई दूरी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस पार्टी के सांसद धीरज साहू से दूरी बनाती हुई दिखाई दे रही है। धीरज साहू परिसर से आयकर विभाग ने अब तक करीब 350 करोड़ रुपये से ज्यादा की बेहिसाब नकदी बरामद की है। सांसद धीरज साहू पर कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमारा स्पष्ट रुख है कि इसका कांग्रेस पार्टी से कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा कि धीरज साहू को खुद बताना होगा कि उनके घर से ऐसी बरामदगी क्यों हो रही है। पार्टी का इससे कोई लेना–देना नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर भी तंज कसा। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमने हफ्तों पहले देखा था कि एक केंद्रीय मंत्री के बेटे का वीडियो सामने आया है जिसमें वह करोड़ों रुपये की बात कर रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी का सांसद धीरज साहू के कारोबार से कोई लेना–देना नहीं है।

सरेआम महिला को किया नग्न किया उत्पीड़न

नई दिल्ली (एजेन्सी)। हम रोजाना अखबारों में दिलदहला देने वाली घटनाएं पढ़ते हैं और गुस्सा करते हैं। कई बार ऐसी घटनाएं हमारे आसपास ही घटती है लेकिन हममें से ज्यादातर लोग इसे देखकर आंखे बंद कर लेते हैं और केवल तमाशा देखते हैं। हैरान कर देने वाली घटना कर्नाटका से आयी है। जहां एक लड़का एक लड़की से प्यार करता था और वह उसे भगाकर अपने घर ले आया। जब इस बात की जानकारी लड़की के परिवार को मिली तो लड़की का परिवार लड़के के घर पहुंचा। वहां पर लड़के की मां को उन्होंने काफी प्रताड़ित किया। महिला उम्रदराज थी लेकिन हैवानों ने अपनी बेटी के घर से भागने का सारा गुस्सा लड़के की मां पर निकाला। महिला को उसके घर से बाहर खींच लिया, नग्न कर दिया, एक खंभे से बांध दिया और उसकी पिटाई की।

राष्ट्रपति ने आयुषी तिवारी को दिया श्री अतुल माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक, अन्य 16 मेधावियों को मिले मेडल

वाराणसी (एजेन्सी)। राष्ट्रपति दीक्षांत समारोह के में शामिल होने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ पहुंची यहां महामहिम ने 16 मेधावियों को अपने हाथों से मेडल दिए। एमए पत्रकारिता में सर्वाधिक अंक पाने पर आयुषी तिवारी को राष्ट्रपति ने श्री अतुल माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक दिया। समारोह में राज्यपाल ने संबोधन दिया। उन्होंने सभी छात्र–छात्राओं को बधाई दी और राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा काशी विद्यापीठ का सामाजिक और शैक्षिक योगदान अमूल्य है। राष्ट्रपति ने कलश में पानी डालकर दीक्षांत समारोह की शुरुआत की। राज्यपाल के संबोधन के बाद महामहिम ने सभी विद्यार्थियों, उनके शिक्षकों और परिजनों को बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा, बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में आना अपने आप में सौभाग्य की बात है। काशी का अभिप्राय है सदैव प्रकाशमान रहने और सदैव प्रकाशित रखने वाला ज्योतिपुंज। पिछले महीने काशी में देव दीपावली का पर्व भव्यता से मनाया गया। मुझे बताया गया है कि उस पर्व को 72 देशों के प्रतिनिधियों ने हमारे देशवासियों के साथ यहां मनाया। हिन्दी माध्यम में उच्च–स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए बाबू शिव प्रसाद गुप्त जी ने काशी विद्यापीठ की अपनी परिकल्पना की चर्चा महात्मा गांधी से की थी और गांधीजी ने उसे सहर्ष अनुमोदन प्रदान किया था। हमारे देश की स्वाधीनता के 26 वर्ष पूर्व, गांधीजी की परिकल्पना के अनुसार आत्म–निर्भरता तथा स्वराज के लक्ष्यों के साथ, इस विद्यापीठ की यात्रा शुरू हुई थी। ब्रिटिश शासन की सहायता और नियंत्रण से दूर रहते हुए, भारतीयों द्वारा पूर्णतरू भारतीय संसाधनों से निर्मित, काशी विद्यापीठ का नामकरण 'महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ' करने के पीछे हमारे स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों के प्रति सम्मान व्यक्त करने की भावना निहित है। उन आदर्शों पर चलना तथा अमृत–काल के दौरान देश की प्रगति में प्रभावी योगदान देना यहां के विद्यार्थियों द्वारा विद्यापीठ के राष्ट्र–निर्माता संस्थापकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ का ध्येय वाक्य है विद्ययाऽमृतमश्नुते...। यह ध्येय वाक्य ईशा–वास्य उपनिषद से लिया गया है। ईश उपनिषद में यह बोध कराया गया है कि व्यावहारिक ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान एक दूसरे के संपूरक हैं। व्यावहारिक ज्ञान से अर्थ, धर्म और कामनाओं की सिद्धि होती है। विद्या पर आधारित आध्यात्मिक ज्ञान से अमरता यानी मोक्ष की प्राप्ति होती है। चिर–नवीन की परिधि में विज्ञान तथा व्यावहारिक ज्ञान की आधुनिकतम धाराएं समाहित हैं।

आप सभी विद्यार्थियों को चिर–पुराण और चिर–नवीन के समन्वय को अपनी शिक्षा, आचरण और जीवन में उतारना है। तब आप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, भारतीय परम्पराओं से जुड़े रह कर इक्कीसवीं सदी के आधुनिक विश्व में सफलताएं अर्जित करेंगे।

अमित शाह ने राज्यसभा में पेश किए जम्मू कश्मीर से जुड़े दो विधेयक

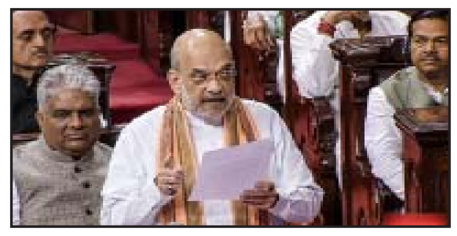

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज राज्यसभा में दो विधेयक – जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 को चर्चा और पारित कराने के लिए रखा। दोनों विधेयक 6 दिसंबर को लोकसभा द्वारा पारित किए गए थे। उन्होंने कहा, मैं जो विधेयक यहां लाया हूं, वे उन लोगों को न्याय दिलाने और अधिकार प्रदान करने से संबंधित हैं जिनके खिलाफ अन्याय हुआ, जिनका अपमान किया गया और जिनकी उपेक्षा की गई।श उन्होंने कहा कि किसी भी समाज में जो लोग वंचित हैं, उन्हें आगे लाना चाहिए और यही भारत के संविधान की मूल भावना है। कांग्रेस के सदस्य विवेक तन्खा ने जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों पर हुए अत्यायार और उनके पलायन की घटनाओं की जांच के लिए आयोग गठित करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने विस्थापित कश्मीरी पंडितों के प्रतिनिधियों को जम्मू कश्मीर विधानसभा में मनोनयन के लिए प्रावधान करने का सुझाव दिया। इस विषय पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि तन्खा ने कहा, ''जम्मू कश्मीर हमारा था, हमारा है और हमारा रहेगा।'' उन्होंने कहा कि आज उच्चतम न्यायालय ने जो निर्णय दिया है वह जम्मू कश्मीर के लोगों की जीत है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय में संसद द्वारा किए गये फैसलों को सही ठहराया है। कांग्रेस सदस्य ने कहा कि विस्थापित कश्मीरी पंडितों को इस बात का दुख है कि आज तक उनकी पीड़ाओं और व्यथाओं की कोई जांच नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई जांच आयोग बैठाया जाना चाहिए।

अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पीएम मोदी ने दी प्रतिक्रिया

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एप एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया पोस्ट करते हुए लिखा कि आशा, प्रगति और एकता की एक शानदार घोषणा करार दिया है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। देश की सर्वोच्च अदालत ने जम्मू कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के सरकार के फैसले को कायम रखा है। इसके साथ ही कोर्ट की तरफ से अगले सात 30 सितंबर तक विधानसभा चुनाव कराने के लिए कदम उठाने के बी निर्देश दिए हैं। अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एप एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया पोस्ट करते हुए लिखा कि आशा, प्रगति और एकता की एक शानदार घोषणा करार दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में हमारी बहनों और भाइयों के लिए आशा, प्रगति और एकता की एक शानदार घोषणा है। न्यायालय ने अपने गहन ज्ञान से, एकता के मूल सार को मजबूत किया है जिसे हम, भारतीय होने के नाते, बाकी सब से ऊपर प्रिय मानते हैं और संजोते हैं। बता दें कि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने और न्यायमूर्ति बीआर गवई एवं न्यायमूर्ति सूर्यकांत की ओर से फैसला सुनाते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था और राष्ट्रपति के पास इसे रद्द करने की शक्ति है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2019 में जम्मू–कश्मीर से केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को अलग करने के फैसले की वैधता को भी बरकरार रखा। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि निर्वाचन आयोग 30 सितंबर, 2024 तक जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव कराने के लिए कदम उठाए। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की संविधान पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के लिए पांच अगस्त 2019 के केंद्र के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सोमवार को सर्वसम्मत, लेकिन तीन अलग–अलग फैसले सुनाए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पाँच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से जम्मू–कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाना वैध माना है। इस फैसले को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक बताया है. उन्होंने कहा कि पाँच अगस्त 2019 को भारत की संसद के लिए फैसले को संवैधानिक तौर पर स्वीकृति मिली है.। पीएम मोदी ने कहा कि जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के लोगों के सपनों को पूरा करने की प्रतिबद्धता अटूट रहेगी. उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि प्रगति का फल सिर्फ जम्मू–कश्मीर के लोगों तक पहुंचे नहीं बल्कि इसका लाभ भी हाशिए के उन लोगों तक पहुंचे जिन्होंने अनुच्छेद 370 की वजह से काफी कुछ झेला है.।

सीएम योगी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कही ये बात, पीएम मोदी का जताया आभार

लखनऊ (एजेन्सी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जताई है और कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला अभिनंदनीय है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा धारा 370 और 35 । के संबंध में दिया गया निर्णय अभिनंदनीय है।

यह श्एक भारत–श्रेष्ठ भारतश की भावना को मजबूती प्रदान करने वाला है। राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू–कश्मीर को देश की मुख्यधारा से जोड़ने वाले ऐतिहासिक कार्य के लिए 25 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से उनका पुनः हार्दिक आभार! निश्चित रूप से प्रधानमंत्री के यशस्वी नेतृत्व में जम्मू–कश्मीर तथा लद्दाख क्षेत्र सुशासन, विकास और समृद्धि के नए मापदंड स्थापित करेंगे। बता दें कि 11 दिसंबर के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों वाली संविधान पीठ ने 5 अगस्त 2019 के केंद्र सरकार के फैसले को संवैधानिक रूप से वैध माना है, जिसमें जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का फैसला किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा (अनुच्छेद 370) खत्म करने का राष्ट्रपति का आदेश वैध है

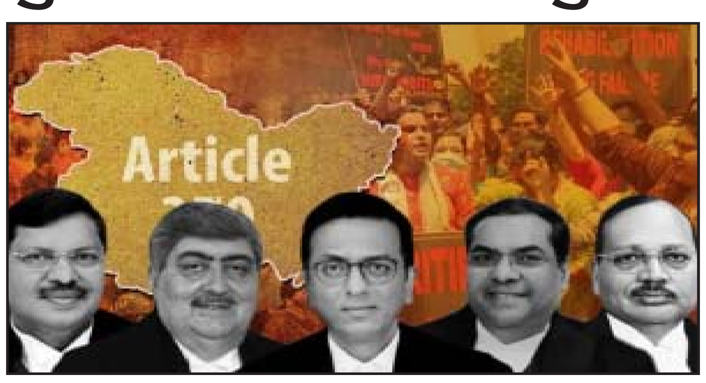

जस्टिस संजय किशन कौल ने अपने अलग फैसले में कश्मीरी पंडितों के पलायन और आतंकवाद का भी जिक्र किया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अनुच्छेद 370 को हटाने पर फैसला सुनाते हुए कहा कि जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा (अनुच्छेद 370) खत्म करने का राष्ट्रपति का आदेश वैध है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ में न्यायमूर्ति एसके कौल, संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत भी शामिल थे। शीर्ष अदालत ने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को रद्द करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखा। जस्टिस कौल और खन्ना ने अपने फैसले अलग–अलग लिखे। जस्टिस संजय किशन कौल ने अपने अलग फैसले में कश्मीरी पंडितों के पलायन और आतंकवाद का भी जिक्र किया। जस्टिस कौल ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा, सेनाएं राज्य के दुश्मनों के साथ लड़ाई लड़ने के लिए होती हैं, न कि वास्तव में राज्य के भीतर कानून और व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए, लेकिन तब ये अजीब समय था।जस्टिस खन्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा कि आर्टिकल 370 असममित संघवाद का उदाहरण है। यह जम्मू–कश्मीर की संप्रभुता का सूचक नहीं है। ऐसे में आईए आपको बताते हैं कि अनुच्छेद 370 पर फैसला सुनाने वाले पांच जज कौन हैं। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ भारत के सर्वोच्च न्यायालय में एक मौजूदा न्यायाधीश हैं। 10 अक्टूबर, 2022 को वर्तमान सीजेआई यूयू ललित द्वारा उन्हें भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के पद के लिए शीर्ष अदालत के दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश के रूप में अनुशंसित किया गया था। धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ का जन्म 11 नवंबर, 1959 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता यशवंत विष्णु चंद्रचूड़ 16वें और सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले सीजेआई थे (22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985 तक)। डी वाई चंद्रचूड़ ने नई दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से इकोनॉमिक्स ऑनर्स के साथ बीए की पढ़ाई की। उन्होंने 1982 में कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी पूरी की। उन्होंने 1986 में हार्वर्ड लॉ स्कूल, यूएसए से एलएलएम की डिग्री और ज्यूरिडिकल साइंसेज (एसजेडी) में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। हार्वर्ड से स्नातक होने के बाद, चंद्रचूड़ ने बॉम्बे उच्च न्यायालय और भारत के सर्वोच्च न्यायालय में कानून का अभ्यास किया। जून 1998 में, उन्हें बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा एक वरिष्ठ वकील के रूप में नामित किया गया था। उन्होंने मार्च 2000 में बॉम्बे उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति तक 1998 से भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में कार्य किया। अक्टूबर 2013 में, उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया, उन्होंने अपने कार्यकाल तक इस पद पर कार्य किया।

महुआ मोइत्रा ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, लोकसभा से निष्कासन को दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कैश–फॉर–क्वेरी मामले में लोकसभा सांसद के रूप में निष्कासित किए जाने के कुछ दिनों बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। 8 दिसंबर को, सदन द्वारा अपनी आचार समिति की रिपोर्ट को अपनाने के बाद, मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था, जिसमें उन्हें अपने हित को आगे बढ़ाने के लिए व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से उपहार और अवैध संतुष्टि स्वीकार करने का दोषी ठहराया गया था। टीएमसी नेता ने आरोपों का जोरदार खंडन किया था। अपने निष्कासन के बाद, मोइत्रा ने षबिना सबूत के कार्य करनेष के लिए नैतिकता पैनल पर हमला किया और कहा कि यह विपक्ष को षबुलडोजरष देने का षहथियारष बन रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आचार समिति और उसकी रिपोर्ट ने षपुस्तक के हर नियम को तोड़ दियाष। पश्चिम बंगाल में कृष्णानगर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली टीएमसी नेता ने कहा कि जब एथिक्स पैनल की रिपोर्ट पर विचार किया गया तो उन्हें सदन में अपना बचाव करने का मौका नहीं दिया गया। महुआ मोइत्रा को 'पैसे लेकर सवाल पूछने' के मामले में शुक्रवार को 'अनैतिक एवं अशोभनीय आचरण' के लिए सदन की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया।

सियाचिन वॉरियर्स की कैप्टन फातिमा वसीम ने रचा इतिहास

कैप्टन फातिमा वसीम ने सियाचिन ग्लेशियर पर तैनात होने वाली भारतीय सेना की पहली महिला चिकित्सा अधिकारी बनकर इतिहास रच दिया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सियाचिन वॉरियर्स की कैप्टन फातिमा वसीम ने सियाचिन ग्लेशियर पर तैनात होने वाली भारतीय सेना की पहली महिला चिकित्सा अधिकारी बनकर इतिहास रच दिया। भारतीय सेना ने उनके उत्साह और भावना की सराहना करते हुए कहा, षसियाचिन बैटल स्कूल में कठोर प्रशिक्षण के बाद कैप्टन फातिमा को 15,200 फीट की ऊंचाई पर एक पोस्ट पर शामिल किया गया था, जो उनकी अदम्य भावना और उच्च प्रेरणा को दर्शाता है। कैप्टन फातिमा वसीम ने दुर्जेय सियाचिन ग्लेशियर में ऑपरेशनल पोस्ट पर तैनात होने वाली पहली महिला चिकित्सा अधिकारी बनकर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। सियाचिन बैटल स्कूल में कठोर प्रशिक्षण से गुजरने के बाद, उन्हें 15,200 फीट की ऊंचाई पर स्थित एक ऑपरेशनल पोस्ट पर पोस्टिंग मिली। सियाचिन ग्लेशियर में ऑपरेशनल पद पर पहली महिला चिकित्सा अधिकारी के रूप में कैप्टन फातिमा वसीम की नियुक्ति एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। सियाचिन बैटल स्कूल में गहन प्रशिक्षण के बाद, उन्होंने 15,200 फीट की चुनौतीपूर्ण ऊंचाई पर स्थित ऑपरेशनल पोस्ट पर कार्यभार संभाला। भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर ने कैप्टन फातिमा वसीम द्वारा हासिल की गई उपलब्धि को रेखांकित करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो साझा किया। वीडियो में उनकी अदम्य भावना और उच्च प्रेरणा पर जोर देते हुए उन्हें सियाचिन ग्लेशियर पर एक ऑपरेशनल पोस्ट पर तैनात होने वाली पहली चिकित्सा अधिकारी के रूप में मनाया गया। 15,200 फीट पर कैप्टन फातिमा वसीम की तैनाती उनके लचीलेपन का प्रमाण है और अपार प्रेरणा के स्रोत के रूप में कार्य करती है। सियाचिन ग्लेशियर की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियाँ इस कार्य को न केवल ऐतिहासिक बनाती हैं बल्कि उनके अटूट समर्पण का भी परिचायक हैं। भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किए गए एक वीडियो के माध्यम से कैप्टन फातिमा वसीम की ऐतिहासिक पोस्टिंग को स्वीकार किया। कैप्शन में सियाचिन योद्धा के रूप में उनकी भूमिका पर जोर दिया गया और सियाचिन ग्लेशियर में ऑपरेशनल पोस्ट पर पहली महिला चिकित्सा अधिकारी के रूप में उनका जश्न मनाया गया। इतनी कठिन ऊंचाई पर कैप्टन फातिमा वसीम की तैनाती उनके दृढ़ संकल्प का प्रतीक है और दूसरों के लिए प्रेरणा का काम करती है। उनकी ऐतिहासिक पोस्टिंग न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि सशस्त्र बलों के भीतर लैंगिक बाधाओं को तोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति भी है। सियाचिन ग्लेशियर में ऑपरेशनल पद पर पहली महिला चिकित्सा अधिकारी के रूप में कैप्टन फातिमा वसीम की नियुक्ति एक अभूतपूर्व उपलब्धि है।

मसरूर अहमद वानी के घर सांत्वना देने पहुँचीं महबूबा मुफ्ती मोदी सरकार को जमकर कोसा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती आतंकवादी हमले में मारे गये जम्मू–कश्मीर के पुलिस निरीक्षक मसरूर अहमद वानी के घर शनिवार को गयीं। हम आपको बता दें कि अक्टूबर में वानी जब श्रीनगर में क्रिकेट खेल रहे थे तब लश्कर–ए–तैयबा के एक आतंकवादी ने उन्हें गोली मार दी थी। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में पिछले सप्ताह बृहस्पतिवार को उनकी मृत्यु हो गयी। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ईदगाह इलाके के नरवारा में पुलिसकर्मी के घर पर गयीं। इस दौरान महबूबा ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के हालात में सुधार आने के केंद्र सरकार के दावे खोखले हैं। दूसरी ओर, जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने भी आतंकी हमले में मारे गए जम्मू–कश्मीर पुलिस इंस्पेक्टर मसरूर अहमद वानी के घर का दौरा किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। भाजपा नेता ने कहा कि हमने एक गुणी और सम्मानित व्यक्ति को खो दिया है। उन्होंने कहा कि हिंसा और घृणा के ऐसे कृत्यों को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

सम्पादकीय

ममता राज में पूंजी निवेश की चुनौती, अनिश्चितताओं के बीच कौन लगाएगा पैसा

उद्योगों के खंडहर में तब्दील हो चुके पश्चिम बंगाल में बड़े स्तर पर पूंजी निवेश की कवायदें अब तक छलावा ही साबित हुई हैं। हाल ही में सातवें बंगाल बिजनेस समिट में करीब चार लाख करोड़ रुपये के सहमति व आशय पत्रों पर दस्तखत हुए, पर पिछले छह औद्योगिक मेलों के सहमति पत्रों के वास्तविक आंकड़े निराशा की तस्वीर पेश करते हैं। चौंतीस साल की वाम सरकार में उसके मुखिया ज्योति बसु तो पूंजीपतियों को श्वर्ग शत्रुश मानते थे। उसके बाद बुद्धदेव भट्टाचार्य ने जब नीतियों में बदलाव लाकर सिंगुर में टाटा को बुलाया, तो लखटकिया नैनो को दशकों से विपक्ष में बैठीं ममता बनर्जी की जैसे नजर लग गई। वर्ग शत्रुश को श्वर्ग मित्रश बनाने की इतनी हड़बड़ी हुई कि लाठी के जोर से कुछ जमीन हथियानी पड़ी और बाद में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में वाम सरकार की भूमि अधिग्रहण नीति को गलत ठहराया। इसी बहाने उन्होंने अपने ऐतिहासिक आंदोलन को एक बार फिर सही ठहराया और सिंगुर के अनिच्छुक किसानों को उनकी जमीन सौंप दी गई। ममता मानें या न मानें, उन्होंने एक ऐतिहासिक भूल कर दी, जिसका खामियाजा बंगाल की कई पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। बीते 31 अक्तूबर को तीन–सदस्यीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने फैसला सुनाया कि प. बंगाल औद्योगिक विकास निगम 765.78 करोड़ रुपये की राशि टाटा मोटर्स को चुकाए। वर्ष 2008 में टाटा मोटर्स नैनो मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट सिंगूर से गुजरात के साणंद ले गई थी। सरकार ने इसके खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में अपील की है, पर जाहिर है, देर–सवेर और कमोबेश मुआवजा तो देना ही पड़ेगा। बंगाल का विपक्ष मांग कर रहा है कि यह राशि तृणमूल पार्टी के कोष से वसूली जाए, क्योंकि ममता के आंदोलन के कारण पैदा हुई खराब कानून–व्यवस्था के कारण ही टाटा को फैक्टरी हटानी पड़ी थी। 23 और 24 नवंबर को हुए सातवें बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के 3.76 लाख करोड़ रुपये के 188 एमओयू और आशय पत्रों पर दस्तखत हुए। ममता के सत्ता में आने के बाद ऐसे छह मेले लग चुके हैं। उनके निवेश प्रस्तावों पर गौर करें, तो 2015 के निवेश मेले में 2.43 लाख करोड़, 2016 में 2.50 लाख करोड़, 2017 में 2.35 लाख करोड़, 2018 में 2.19 लाख करोड़ और 2019 में 2.85 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे। वहीं कोरोना काल के बाद 2022 में 3.42 लाख करोड़ रुपये के 137 सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर हुए थे। विपक्ष लगातार इन सम्मेलनों के बाद वास्तविक निवेश पर श्वेत–पत्र की मांग करता रहा है, पर सरकार चुप्पी साधे हुए है। अदाणी पोर्ट्स और एसईजेड लिमिटेड के ताजपुर में गहरे समुद्री बंदरगाह में 25,000 करोड़ रुपये का निवेश भी अधर में लटक गया है। पश्चिम बंगाल के श्रममंत्री मलय घटक ने एक बार विधानसभा में खुद स्वीकार किया था कि राज्य में पिछले कुछ वर्षों में करीब 177 कारखाने बंद हुए हैं और 29,084 श्रमिकों ने रोजगार खोया है। हालांकि देश के कुल एमएसएमई इकाइयों में बंगाल का हिस्सा 14 प्रतिशत है और यह उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर है। पिछले एक दशक में बंगाल को कुछ बड़ी परियोजनाएं भी मिली हैं। प्रस्तावित आईटी हब–बंगाल सिलिकॉन वैली में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस जियो, जेएसडब्ल्यू सीमेंट जैसी कई कंपनियों ने जगह ले ली है। दीदी इसी साल स्पेन और दुबई भी गई थीं, जहां से फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र और मॉल खोलने जैसा प्रस्ताव ही हाथ लगा। मगर यह सब इतना नहीं है कि बंगाल की युवा पीढ़ी में उम्मीद जग सके। जग जाहिर है कि बंगाल के औद्योगिकीकरण के रास्ते की सबसे बड़ी बाधा हिंसा और उग्र ट्रेड यूनियनवाद रहा है, जो कम्युनिस्टों की देन थी। उसी उग्रता की छवि हम आज तक देखते आ रहे हैं। बिधान चंद्र राय के समय में बंगाल उद्योगों के मामले में शीर्ष पर था। 1965 में उनके निधन के बाद प्रफुल्ल चंद्र सेन मुख्यमंत्री बने, और इसी के साथ बंगाल में राजनीतिक अस्थिरताका दौर शुरू हो गया। कम्युनिस्टों ने इस अराजकता और अस्थिरता का फायदा उठाया। हड़ताल, बंद, जुलूस और हिंसा के नए मानदंड कायम हुए। ऐसे में, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, खराब कानून व व्यवस्था और सिंडिकेट राज के आरोप झेल रही ममता सरकार के लिए राज्य को औद्योगिकीकरण की पटरी पर लाना चुनौतीपूर्ण है।

ओलिगार्क रूस के आर्थिक मालिक, जिनकी तलाश में खाक छान रही हैं यूरोप-अमेरिका की एजेंसियां

आइशर उस्मानोव, रोटेनबर्ग ब्रदर्स, इगोर शुगालोव, गेन्नादी तिमिचेंको, किरिल शामालोव...रूस के इन कुख्यात लोगों का साइप्रस से क्या रिश्ता है? कुख्यात इसलिए, क्योंकि इन जैसे करीब सौ से अधिक रूसियों को सबक सिखाने के लिए बीते साल अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक नई पुलिस या जांच एजेंसी बना दी थी। इस एजेंसी का नाम है क्लेप्टोकैप्चर। आपको लग रहा होगा कि यह बड़े दुर्दांत अपराधियों की सूची है। न जी न! ये तो दुनिया के सबसे अमीर लोग हैं। ये पुतिन के रूस के आर्थिक मालिक हैं। ये रूस के ओलिगार्क हैं। भूमध्यसागर और काला सागर में युद्ध की हलचलों के बीच पुतिन के कुख्यात अमीरों का नया ठिकाना सामने आया, तो हंगामा मच गया। मिस्र के उत्तर और तुर्किये के दक्षिण में 140 मील लंबा साइप्रस अपनी क्षमता से अधिक इतिहास संभालता है। उसकी यह ताजा पहचान बेहद सनसनीखेज है। खोजी पत्रकारिता के ताजा दस्तावेजों में खुलासा हुआ कि रूस के कारोबारियों और उद्योगपतियों को, जिन पर प्रतिबंध लगे हैं, पकड़ने के लिए यूरोप और अमेरिका की एजेंसियां दुनिया भर की खाक छान रही हैं। जबकि वे ओलिगार्क अपना माल–मत्ता लेकर पूर्वी भूमध्यसागर के द्वीपीय देश साइप्रस में आनंद मना रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी अकाउंटिंग फर्म पीडब्लूसी की मदद से पुतिन के ओलिगार्क ने अपना पैसा साइप्रस में पहुंचा दिया है। यूनानी भाषा के ओलिग से निकले ओलिगार्क का मतलब है एक ऐसा व्यक्ति, जिसके पास विराट आर्थिक ताकत है। ओलिगार्क रूस की कंपनियों, बैंकों, कारोबारों के सम्राट हैं। ये पुतिन के क्रोनी कैपिटलिज्म साम्राज्य के सूरमा हैं। इसलिए यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद इन दागी अमीरों पर प्रतिबंध लगे थे। पर इनके रसूख और दुनिया भर में फैली ताकत से अमेरिका भी पस्त हो गया। साम्यवादी समानता के इतिहास वाला रूस पूंजीवाद के सबसे बदसूरत चेहरे का नुमाइंदा कैसे बन गया? आइए पकड़िए अपनी सीट टाइम मशीन में। हम रूस के उत्तर पूर्व के लिए उड़ान भर रहे हैं। साल है 1930 और हम अब रूस के उत्तर पूर्व में आर्कटिक तट पर मौजूद कोला प्रायद्वीप में हैं। कोला में लौह अयस्क के भंडार मिल गए। इस लोहे से ही रूस का भविष्य मजबूत होना था। कोला में विज्ञान और दंतकथाएं एक दूसरे से मिल जाती हैं। यहां 1970 में दुनिया में सबसे गहरे बोरवेल की ड्रिलिंग शुरू की गई थी। रूसी वैज्ञानिक धरती के अधिकतम भीतर तक जाना चाहते थे। बीस साल चली कुएं की यह खुदाई 40 हजार फीट तक चली, यानी करीब 12 किलोमीटर गहरा बोरवेल खोदा गया। 1990 में सोवियत संघ की उथल–पुथल के बाद यह परीक्षण बंद हो गया। अलबत्ता यह किस्सा बताने वाले कई मिल जाएंगे कि जमीन खोदते–खोदते वैज्ञानिक नर्क तक पहुंच गए थे, जहां से लोगों की दर्द भरी आवाजें आने लगी थीं। यूट्यूब पर इन आवाजों के ऑडियो तैरते रहते हैं। खैर, कोला में मिले लोहे का रूस के दागी अमीरों से बड़ा करीब का रिश्ता है। लोहा मिला, तो चेरोपोवेस्त शहर में पहली स्टील मिल लगाई गई, जो बाद में स्टील कांप्लेक्स में बदल गई। रूस के ओलिगार्क का सफर यहीं से शुरू होता है। 1993 में रूसी राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन ने चेरोपोवेस्त के विशाल कांप्लेक्स को जॉयंट स्टॉक कंपनी सेवरस्ताल में बदल दिया। यह रूस की सबसे बड़ी स्टील कंपनी है। अलेक्सी मोर्दाशोव इस कंपनी में फाइनेंस डायरेक्टर थे। यह किसी को नहीं पता कि उन्होंने किस तरह इस कंपनी के कर्मचारियों और ट्रस्ट से उनका हिस्सा खरीद लिया। पर बाद के दशक में सेवरस्ताल रूस के निजीकरण की सफलता की दास्तान बन गई। सेवरस्ताल के मालिक एलेक्सी मोर्दाशोव रूस के पहले प्रमुख ओलिगार्क हैं। 2015 तक वह इस कंपनी के सीईओ भी थे। वह विश्व की सबसे बड़ी ट्रैवल कंपनी टीयूआई में 30 फीसदी हिस्सा रखते हैं। 2021 में मोर्दाशोव दुनिया के 100 सबसे बड़े अरबपतियों में शामिल थे। वह रूस के सबसे धनाढ्य व्यक्ति और पुतिन के करीबी हैं। उनकी कुल संपत्ति 29.1 अरब डॉलर है। रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद मोर्दाशोव पर सख्त प्रतिबंध लगाए गए। इटली की सरकार ने करीब 4.5 करोड़ डॉलर की मोर्दाशोव की शानदार याट को कब्जे में ले लिया। ओलिगार्क अर्थव्यवस्था की शुरुआत रूसी पूंजीवाद का सबसे दागदार अध्याय है।

शेख हसीना के सामने स्वतंत्रता और निष्पक्षता की चुनौती

अनिल त्रिगुणायत

गौरतलब है कि कुछ महीनों पहले बीएनपी और जमात–ए–इस्लामी जैसी विपक्षी पार्टियों ने सरकार के खिलाफ रैली निकाली थी, जिसमें काफी हिंसा हुई। रैली के दौरान लाखों कार्यकर्ता सड़क पर उतरे थे, और पुलिस के साथ जबर्दस्त झड़प के दौरान कुछ जानें भी गई थीं। इन विपक्षी पार्टियों का कहना था कि चूंकि शेख हसीना सरकार के सत्ता में रहते निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते, इसलिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और एक कार्यवाहक सरकार के तहत चुनाव करवाया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसके पीछे कुछ हद तक अमेरिका का भी हाथ है, क्योंकि अमेरिका लगातार कहता रहा है कि बांग्लादेश में लोकतंत्र नहीं रह गया है और वहां अधिनायकवादी सरकार का शासन चल रहा है। पाठकों को याद होगा कि जब अमेरिका में 'डेमोक्रेसी समिट' हुई थी, तो उसमें बांग्लादेश को आमंत्रित नहीं किया गया था। इसके अलावा संभवतः अमेरिका यह भी सोचता है कि शेख हसीना सरकार के नेतृत्व में बांग्लादेश के रिश्ते चीन और तुर्किये के साथ काफी घनिष्ठ हो गए हैं। जहां तक रूस की बात है, तो उसकी दिलचस्पी का प्रमुख कारण यह है कि वहां रूस की कई परियोजनाएं चल रही हैं।

बांग्लादेश में आगामी सात जनवरी को आम चुनाव होने वाले हैं। वहां के आम चुनाव पर दुनिया भर की नजर है और भारत के साथ अमेरिका एवं रूस जैसे देश भी इसमें दिलचस्पी ले रहे हैं। बांग्लादेश की मौजूदा प्रधानमंत्री शेख हसीना वर्ष 2009 से सत्ता में हैं। उन्हें मुल्क के सामाजिक व आर्थिक विकास को गति देने एवं एक उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश बनाने का श्रेय दिया जाता है। मुल्क के लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए उनकी सरकार की दुनिया भर में तारीफ होती रही है। लेकिन सच यह भी है कि उन पर अपने राजनीतिक विरोधियों के दमन और अधिनायकवादी रवैया अपनाने के आरोप लग रहे हैं। यही नहीं, मीडिया के लोगों को प्रताड़ित करने के आरोप भी उन पर हैं। लेकिन इतने वर्षों से एक ही पार्टी और एक ही नेता के सत्ता में होने के कारण वहां सत्ता विरोधी लहर भी है। बांग्लादेश के इस चुनाव में कई सारे मुद्दे हैं, जैसे बेरोजगारी, महंगाई, अर्थव्यवस्था, लोककल्याण आदि का मुद्दा है, क्योंकि ये सारी चीजें लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हमारे दक्षिण एशियाई देशों की एक खासियत है कि यहां के लोग राजनीतिक रूप से काफी सजग एवं जागरूक होते हैं, उसमें भी खासकर बंगाली समुदाय। बांग्लादेश की राजनीति का सबसे बड़ा संकट यह है कि वहां जितनी भी पार्टियां हैं, सबके नेता लगभग बुजुर्ग हो चुके हैं और उनके उत्तराधिकारी किसी भी पार्टी में तैयार नहीं हो पाए हैं। इसकी वजह है कि वहां की पार्टियों ने दूसरी पंक्ति के नेतृत्व को तैयार करने की कोशिश ही नहीं की है। चाहे आप शेख हसीना की अवामी लीग को देखें, या खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को देखें या जातीय पार्टी को देखें, इन तीनों बड़ी पार्टियों में दूसरी पंक्ति का कोई नेता नजर नहीं आता। इस बार के चुनाव की अनूठी बात यह है कि प्रमुख विपक्षी पार्टी बीएनपी समेत कई विपक्षी दल वहां चुनाव में हिस्सेदारी नहीं कर रहे हैं। जातीय पार्टी में भी दो धड़े हैं, जिसमें से इरशाद रौशन वाला धड़ा चुनाव नहीं लड़ रहा है। बीएनपी समेत ये विपक्षी पार्टियां यह सोचती हैं कि अगर प्रमुख विपक्षी पार्टियां चुनाव में हिस्सेदारी नहीं करेंगी, तो इस चुनाव को अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय जगत में अगर बांग्लादेश की नई सरकार को मान्यता नहीं मिलेगी, तो उसे कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि कुछ महीनों पहले बीएनपी और जमात–ए–इस्लामी जैसी विपक्षी पार्टियों ने सरकार के खिलाफ रैली निकाली थी, जिसमें काफी हिंसा हुई। रैली के दौरान लाखों कार्यकर्ता सड़क पर उतरे थे, और पुलिस के साथ जबर्दस्त झड़प के दौरान कुछ जानें भी गई थीं। इन विपक्षी पार्टियों का कहना था कि चूंकि शेख हसीना सरकार के सत्ता में रहते निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते, इसलिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और एक कार्यवाहक सरकार के तहत चुनाव करवाया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसके पीछे कुछ हद तक अमेरिका का भी हाथ है, क्योंकि अमेरिका लगातार कहता रहा है कि बांग्लादेश में लोकतंत्र नहीं रह गया है और वहां अधिनायकवादी सरकार का शासन चल रहा है। पाठकों को याद होगा कि जब अमेरिका में 'डेमोक्रेसी समिट' हुई थी, तो उसमें बांग्लादेश को आमंत्रित नहीं किया गया था। इसके अलावा संभवतः अमेरिका यह भी सोचता है कि शेख हसीना सरकार के नेतृत्व में बांग्लादेश के रिश्ते चीन और तुर्किये के साथ काफी घनिष्ठ हो गए हैं। जहां तक रूस की बात है, तो उसकी दिलचस्पी का प्रमुख कारण यह है कि वहां रूस की कई परियोजनाएं चल रही हैं। रूस राजनीतिक रूप से वहां बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं है। हाल के वर्षों में बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार में भी कट्टरपंथी आवाजें मुखर हुई हैं। हमारे देश में जब एनआरसी और सीएए की बात हुई थी, तब वहां के कुछ नेताओं ने भारत के खिलाफ बयानबाजी की थी। इसके अलावा, बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं के साथ प्रताड़ना की खबरें यदा–कदा आती रही हैं और इसमें भी कोई शक नहीं है कि वहां रहने वाले हिंदू दबे–दबे रहते हैं। लेकिन जैसा कि अपनी घरेलू राजनीति की मजबूरी के तहत पार्टियों को तोड़ना, प्रभावशाली नेताओं को अपने खेमे में लाना, अपने मतदाताओं को खुश करने के लिए लोकलुभाव घोषणाएं करना, चुनाव जीतने वाले प्रत्याशियों को जेल से रिहा कराना जैसी घटनाएं दक्षिण एशियाई देशों में लगभग हर जगह होती हैं, यह सब बांग्लादेश में भी हो रहा है। इसके अलावा, बांग्लादेश के चुनावों में भारत से संबंध एक प्रमुख मुद्दा होता है। हर बार चुनाव में यह मुद्दा होता है कि भारत के साथ कैसे संबंध होंगे। शेख हसीना सरकार के संबंध भारत के साथ आम तौर पर अच्छे रहे हैं, क्योंकि शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व में चले मुक्ति आंदोलन में भारत ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। इसलिए वहां की विपक्षी पार्टियां यह सोचती हैं कि भारत के साथ अवामी लीग के संबंध राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि भारत अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध बनाए रखने का पक्षधर है। बीएनपी और जातीय पार्टी भारत का विरोध करती हैं, लेकिन शेख हसीना की अवामी लीग के साथ मुक्ति युद्ध के कारण भावनात्मक रिश्ते रहे हैं। हालांकि बांग्लादेश इस वक्त संतुलन बनाकर चल रहा है। शेख हसीना की सरकार चीन और भारत के साथ बराबर रिश्ते बनाकर चल रही है, क्योंकि वह जानती है कि अगर किसी एक देश पर निर्भर रहे, तो श्रीलंका जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए मुझे यह लगता है कि अगर दूसरी पार्टियां चुनाव जीतकर आती हैं, तो वह भारत के लिए अच्छा नहीं होगा। स्वाभाविक रूप से शेख हसीना की पार्टी अगर सत्ता में आती है, तो भारत और बांग्लादेश, दोनों के लिए अच्छा रहेगा। बांग्लादेश सरकार और वहां का निर्वाचन आयोग संभवतः अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों को आमंत्रित करने पर विचार कर सकते हैं, ताकि चुनाव परिणामों को बड़े पैमाने पर वैधता और स्वीकृति मिल सके। अगर अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक बोलेंगे कि चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष हुए हैं, तो उसकी वैधता बन सकती है। फिलहाल वहां चुनावी हलचल बहुत तेज है और सात जनवरी को ही पता चल पाएगा कि चुनाव कितने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष हो रहे हैं। गौरतलब है कि कुछ महीनों पहले बीएनपी और जमात–ए–इस्लामी जैसी विपक्षी पार्टियों ने सरकार के खिलाफ रैली निकाली थी, जिसमें काफी हिंसा हुई। रैली के दौरान लाखों कार्यकर्ता सड़क पर उतरे थे, और पुलिस के साथ जबर्दस्त झड़प के दौरान कुछ जानें भी गई थीं। इन विपक्षी पार्टियों का कहना था कि चूंकि शेख हसीना सरकार के सत्ता में रहते निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते, इसलिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और एक कार्यवाहक सरकार के तहत चुनाव करवाया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसके पीछे कुछ हद तक अमेरिका का भी हाथ है, क्योंकि अमेरिका लगातार कहता रहा है कि बांग्लादेश में लोकतंत्र नहीं रह गया है और वहां अधिनायकवादी सरकार का शासन चल रहा है। पाठकों को याद होगा कि जब अमेरिका में 'डेमोक्रेसी समिट' हुई थी, तो उसमें बांग्लादेश को आमंत्रित नहीं किया गया था। इसके अलावा संभवतः अमेरिका यह भी सोचता है कि शेख हसीना सरकार के नेतृत्व में बांग्लादेश के रिश्ते चीन और तुर्किये के साथ काफी घनिष्ठ हो गए हैं। जहां तक रूस की बात है, तो उसकी दिलचस्पी का प्रमुख कारण यह है कि वहां रूस की कई परियोजनाएं चल रही हैं। रूस राजनीतिक रूप से वहां बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं है। हाल के वर्षों में बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार में भी कट्टरपंथी आवाजें मुखर हुई हैं। हमारे देश में जब एनआरसी और सीएए की बात हुई थी, तब वहां के कुछ नेताओं ने भारत के खिलाफ बयानबाजी की थी। इसके अलावा, बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं के साथ प्रताड़ना की खबरें यदा–कदा आती रही हैं और इसमें भी कोई शक नहीं है कि वहां रहने वाले हिंदू दबे–दबे रहते हैं। लेकिन जैसा कि अपनी घरेलू राजनीति की मजबूरी के तहत पार्टियों को तोड़ना, प्रभावशाली नेताओं को अपने खेमे में लाना, अपने मतदाताओं को खुश करने के लिए लोकलुभाव घोषणाएं करना, चुनाव जीतने वाले प्रत्याशियों को जेल से रिहा कराना जैसी घटनाएं दक्षिण एशियाई देशों में लगभग हर जगह होती हैं, यह सब बांग्लादेश में भी हो रहा है। इसके अलावा, बांग्लादेश के चुनावों में भारत से संबंध एक प्रमुख मुद्दा होता है। हर बार चुनाव में यह मुद्दा होता है कि भारत के साथ कैसे संबंध होंगे। शेख हसीना सरकार के संबंध भारत के साथ आम तौर पर अच्छे रहे हैं, क्योंकि शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व में चले मुक्ति आंदोलन में भारत ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। इसलिए वहां की विपक्षी पार्टियां यह सोचती हैं कि भारत के साथ अवामी लीग के संबंध राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि भारत अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध बनाए रखने का पक्षधर है। बीएनपी और जातीय पार्टी भारत का विरोध करती हैं, लेकिन शेख हसीना की अवामी लीग के साथ मुक्ति युद्ध के कारण भावनात्मक रिश्ते रहे हैं।

चुनाव के ढंग बदल रहे हैं, अब अंतिम दौर की कवायद पर टिका सब कुछ

नतीजा यह रहा कि गहलोत सरकार के 17 मंत्री और कांग्रेस के 63 विधायकों को चुनावों में मुंह की खानी पड़ी। इससे मंत्रियों और विधायकों को लेकर जनता की भारी नाराजगी का संकेत मिलता है। जाहिर है कि चुनावी सर्वे जनता की नाराजगी के स्तर को भांप नहीं सके। आखिरकार, 1998 के बाद से राजस्थान के मतदाताओं की कांग्रेस और भाजपा में अदला–बदली करने की आदत जारी रही। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में उल्लेखनीय विफलताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच शिवराज सिंह चौहान ने खासकर महिलाओं को लाभान्वित करने वाली लाडली बहन जैसी कई योजनाएं लागू कीं, जिनका फायदा उन्हें मिला। यह राज्य हिंदुत्व की प्रयोगशाला भी था। आरएसएस और इसके सहयोगी संगठनों ने पूरी सक्रियता के साथ जनता में गहरी जड़ें जमाई थीं।

पी. चिदंबरम

चुनाव चाहे कोई भी हो, लेकिन खासकर राज्य विधानसभा चुनावों के बाद शोर–शराबा होता ही है। जिन्हें जीत मिली, वे जश्न मनाते हैं और हारने वाले राजनीतिक दलों के समर्थक आरोप–प्रत्यारोप का खेल खेलते हैं। लेकिन चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद जो शांति दिख रही है, वह सामान्य नहीं है। अगर यह प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के परिपक्व व्यवहार का प्रमाण है तो हम इसका स्वागत कर सकते हैं। लेकिन अगर इसकी वजह कांग्रेस की उदासीनता है तो यह चिंता का विषय है। चलिए, शुरुआत करते हैं मेरे एक गलत अनुमान से। मैंने लिखा था कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस आ रही है, लेकिन मैं गलत था। कांग्रेस की 35 की तुलना में 54 सीटों के साथ भाजपा को वहां प्रभावी अंतर के साथ जीत मिली। कांग्रेस शुरुआत से ही राज्य पर दावा कर रही थी, जिसे सभी सर्वेक्षणों में माना भी जा रहा था। कई लोगों से बातचीत के आधार पर मैं भी इससे सहमत था। लेकिन नतीजों ने भाजपा को छोड़ सभी को हैरत में डाल दिया। यह पता चला कि सामान्य, एससी और एसटी सीटों पर कांग्रेस के वोट शेयर में भारी कमी आई। 2018 में जीतीं एसटी की सभी सीटें गंवाने के साथ ही कांग्रेस ने अपनी हार की कहानी लिख दी। हालांकि आपको याद होगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के संबंध में कांग्रेस के दावों को मैंने स्वीकार नहीं किया था। राजस्थान में गहलोत सरकार ने अच्छा काम किया था, लेकिन सत्ता विरोधी लहर उनके गले की फांस बन गई। नतीजा यह रहा कि गहलोत सरकार के 17 मंत्री और कांग्रेस के 63 विधायकों को चुनावों में मुंह की खानी पड़ी। इससे मंत्रियों और विधायकों को लेकर जनता की भारी नाराजगी का संकेत मिलता है। जाहिर है कि चुनावी सर्वे जनता की नाराजगी के स्तर को भांप नहीं सके। आखिरकार, 1998 के बाद से राजस्थान के मतदाताओं की कांग्रेस और भाजपा में अदला–बदली करने की आदत जारी रही। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में उल्लेखनीय विफलताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच शिवराज सिंह चौहान ने खासकर महिलाओं को लाभान्वित करने वाली लाडली बहन जैसी कई योजनाएं लागू कीं, जिनका फायदा उन्हें मिला। यह राज्य हिंदुत्व की प्रयोगशाला भी था। आरएसएस और इसके सहयोगी संगठनों ने पूरी सक्रियता के साथ जनता में गहरी जड़ें जमाई थीं। भाजपा सरकार को मध्य प्रदेश से उखाड़ने के लिए संगठन की तरफ से सशक्त प्रयासों की जरूरत थी, लेकिन कांग्रेस ने स्पष्ट तौर पर वैसा कुछ नहीं किया। जबकि भाजपा ने राज्य में केंद्रीय मंत्रियों, मौजूदा सांसदों सहित कद्दावर नेताओं का जमावड़ा एकत्र किया। समय व संसाधनों के भारी निवेश ने स्वाभाविक ही नतीजों को भाजपा के पक्ष में झुका दिया। तेलंगाना में जरूर मैंने बीआरएस सरकार के खिलाफ एक ग्रामीण लहर को महसूस किया था और किसी चमत्कार के होने की संभावना भी जाहिर की थी। के चंद्रशेखर राव को पृथक तेलंगाना राज्य हासिल करने और वहां रायथु बंधु जैसी लाभकारी योजनाएं शुरू करने का श्रेय जाता है, जिनमें किसानों को धन हस्तांतरित किया गया। लेकिन सत्ता का एक ही परिवार में सिमटना, भ्रष्टाचार के आरोप, हैदराबाद केंद्रित विकास, मुख्यमंत्री की खुद को अलग–थलग रखने वाली शख्सियत और चरम बेरोजगारी ने सरकार के खिलाफ एक लहर पैदा की, जिस पर सवार रेवंत रेड्डी ने एक आक्रामक अभियान चलाया और कांग्रेस को जीत दिलाई। अच्छी बात यह है कि द्विध्रुवीय प्रतिस्पर्द्धी राजनीति अभी जिंदा है। कांग्रेस का वोट शेयर चारों राज्यों में 40 फीसदी यानी करीब 2018 जितना ही रहा, जो चुनावी लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। दूसरी ओर, भाजपा को चारों राज्यों में वोट शेयर में बढ़त मिली और उसने चारों राजधानियों और शहरी क्षेत्रों की ज्यादातर सीटें जीत लीं। मध्य प्रदेश को छोड़ कर बाकी जगहों पर वोट शेयर में अंतर काफी कम है। छत्तीसगढ़ में 4.04 फीसदी का अंतर आदिवासी वोटों के शिफ्ट होने की वजह से हुआ। यहां अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 17 भाजपा और 11 कांग्रेस ने जीतीं। राजस्थान में 2.16 फीसदी का अंतर तो और भी कम था। वोट शेयर में जो अंतर रहे, उन्हें समझने के लिए चुनावों की बदलती प्रकृति को समझना जरूरी है। चुनाव अब केवल दोनों पक्षों के भाषणों, रैलियों, नीतियों या घोषणा–पत्रों की लड़ाई नहीं रह गए हैं। इन सभी का महत्व है, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं। अंतिम समय के अभियानों, बूथ प्रबंधन और उदासीन मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने की क्षमता से ही आज चुनाव जीते या हारे जा रहे हैं। इसके लिए हर निर्वाचन क्षेत्र में समय, ऊर्जा और पैसे के भारी निवेश की जरूरत होती है, जो इस बार भाजपा ने कामयाबी के साथ किया। 2024 के लोकसभा चुनाव की ओर बढ़ने के साथ हवा का रुख भाजपा के साथ दिखता है। कम से कम हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा मतदाताओं का ज्यादा से ज्यादा ध्रुवीकरण करते हुए हिंदुत्व के एजेंडे को आगे ले जाने की कोशिश करेगी। इससे संघवाद, धर्मनिरपेक्षता, संस्थागत स्वतंत्रता, व्यक्ति व मीडिया की स्वतंत्रता, मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, निजता और डर से स्वतंत्रता जैसी धारणाओं को नुकसान पहुंच सकता है। यह जरूरी है कि भारतीय लोग अपनी सरकार खुद चुनें, लेकिन लोकतंत्र के बाकी स्तंभों को बचाना भी उतना ही जरूरी है। नतीजा यह रहा कि गहलोत सरकार के 17 मंत्री और कांग्रेस के 63 विधायकों को चुनावों में मुंह की खानी पड़ी। इससे मंत्रियों और विधायकों को लेकर जनता की भारी नाराजगी का संकेत मिलता है। जाहिर है कि चुनावी सर्वे जनता की नाराजगी के स्तर को भांप नहीं सके। आखिरकार, 1998 के बाद से राजस्थान के मतदाताओं की कांग्रेस और भाजपा में अदला–बदली करने की आदत जारी रही। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में उल्लेखनीय विफलताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच शिवराज सिंह चौहान ने खासकर महिलाओं को लाभान्वित करने वाली लाडली बहन जैसी कई योजनाएं लागू कीं, जिनका फायदा उन्हें मिला। यह राज्य हिंदुत्व की प्रयोगशाला भी था। आरएसएस और इसके सहयोगी संगठनों ने पूरी सक्रियता के साथ जनता में गहरी जड़ें जमाई थीं। भाजपा सरकार को मध्य प्रदेश से उखाड़ने के लिए संगठन की तरफ से सशक्त प्रयासों की जरूरत थी, लेकिन कांग्रेस ने स्पष्ट तौर पर वैसा कुछ नहीं किया।

ऐसी फिल्में अच्छे नागरिक पैदा करने के बजाय समाज में जानवर ही खड़े करेंगी!

क्या समाज बदल गया है? क्या समाज को हिंसा अधिक पसंद आती है? हाल में रिलीज फिल्म एनिमल को देखकर तो यही प्रतीत हो रहा है। बेहद हिंसक फिल्म होने के बावजूद श्एनिमलश कमाई के नए कीर्तिमान गढ़ने की ओर बढ़ चली है। निश्चित रूप से यह बेहद चिंता का विषय है। आखिर ऐसी फिल्मों को क्यों मनाया जा रहा है? सरकार के अधीन बैठा सेंसर बोर्ड ऐसी फिल्मों को रिलीज करने की अनुमति कैसे दे देता है? क्या फिल्म जगत अनियंत्रित हो गया है? यह कुछ ऐसे प्रश्न हैं, जिन पर सामूहिक रूप से समाज को चिंतन और मंथन करने की जरूरत है। ऐसी फिल्में अच्छे नागरिक पैदा करने के बजाय समाज में जानवर ही खड़े करेंगी। एनिमल फिल्म रिलीज होने के बाद जब एक दर्शक से रिव्यू लिया गया तो उसका स्पष्ट कहना था एनिमल फिल्म को तो एनिमल भी नहीं देखना चाहेंगे। यह इतनी घटिया फिल्म है। जब फिल्म घटिया है तो कमाई कैसे कर रही है? साफ है कि एक्शन से भरी फिल्मों की ओर भारतीय दर्शक, खासकर युवावर्ग ज्यादा आकर्षित होता है। जब बड़े पर्दे की असफलता का दौर शुरू हुआ तो ओटीटी प्लेटफॉर्म की तरफ फिल्म उद्योग बढ़ गया। ओटीटी पर अच्छे कंटेंट के साथ ही घटिया कंटेंट भी परोसा जाने लगा। ओटीटी की अमर्यादित भाषा को लेकर संसद तक में आवाज उठी, लेकिन उस दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ओटीटी पर आज भी घटिया भाषा धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रही है। सवाल यह उठता है कि सरकार आखिरकार क्या रही है? भारत में हर साल 20 से अधिक भाषाओं में 2000 तक फिल्में बनाई जा रही हैं। यह आंकड़ा हर साल बढ़ता जा रहा है। किसी भी फिल्म को रिलीज से पहले एक प्रमाण पत्र लेना जरूरी होता है। यह प्रमाण पत्र केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड यानी सीबीएफसी देता है, जिसे आमतौर पर सेंसर बोर्ड कहते हैं। सेंसर बोर्ड केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधीन आता है। फिल्मों को यू, यूध्ए, ए और एस प्रमाण पत्र दिए जाते हैं। यू प्रमाण पत्र की फिल्में परिवार के साथ मिलकर सभी वर्ग के लोग देख सकते हैं। यूध्ए प्रमाण पत्र की फिल्म विशेष रूप से 12 साल की उम्र से अधिक के बच्चों और वयस्कों के लिए होती है। ए प्रमाण पत्र की फिल्म केवल वयस्कों के लिए होती है, जबकि एस प्रमाण पत्र की फिल्म डॉक्टर, वकील जैसे विशेष वर्ग के लिए होती है। एनिमल फिल्म को सेंसर बोर्ड ने ए प्रमाण पत्र दिया है और इसे क्राइमध्एक्शन की श्रेणी में रखा गया है। फिल्म में हिंसा को देखकर दर्शक व्यथित हैं। संसद में कांग्रेस की सांसद रंजीत रंजन ने एनिमल फिल्म को लेकर मुद्दा खड़ा किया। उन्होंने यहां तक कहा कि उनकी बेटी इस फिल्म को बीच में छोड़कर आ गई और फिल्म देखकर रोने लगी। हालांकि, रंजीत रंजन को बाकी सांसदों का कोई खास समर्थन नहीं मिला, जो बेहद चिंता का विषय है। यह सर्वविदित है कि युवा वर्ग फिल्मों के किरदारों से प्रेरित होता है। यदि ऐसी हिंसक फिल्में, जिसमें मुख्य किरदार ही हिंसक गतिविधियों में शामिल है तो युवा वर्ग किस दिशा में जाएगा? कई साल पहले खलनायक नामक फिल्म आई थी। युवा खुद को खलनायक जैसा बनने पर उतारू हो गए थे। डर और अंजाम जैसी फिल्मों ने एकतरफा प्यार व बदला लेने की भावना को काफी बढ़ावा दिया। ओटीटी पर क्राइम के आइडिया परोसे जा रहे हैं। पुलिस को आए दिन ऐसे क्राइम के मामले मिलते हैं, जो ओटीटी की स्टोरी से प्रेरित होते हैं। फिल्मों में रचनात्मक प्रयोग अवश्य होने चाहिए, लेकिन एनिमल जैसे प्रयोग से फिल्म जगत को बचना चाहिए। समाज को सामूहिक रूप से ऐसी फिल्मों का विरोध दर्ज कराना चाहिए। फिल्मों में हिंसा एक हद तक जायज ठहराई जा सकती है। यदि एनिमल जैसी फिल्में बनती रहीं तो समाज में श्एनिमलश जैसा व्यवहार करने वाले युवाओं को पनपने में देर नहीं लगेगी। बेहद हिंसक फिल्म होने के बावजूद श्एनिमलश कमाई के नए कीर्तिमान गढ़ने की ओर बढ़ चली है। निश्चित रूप से यह बेहद चिंता का विषय है। आखिर ऐसी फिल्मों को क्यों मनाया जा रहा है? सरकार के अधीन बैठा सेंसर बोर्ड ऐसी फिल्मों को रिलीज करने की अनुमति कैसे दे देता है? क्या फिल्म जगत अनियंत्रित हो गया है? यह कुछ ऐसे प्रश्न हैं, जिन पर सामूहिक रूप से समाज को चिंतन और मंथन करने की जरूरत है। ऐसी फिल्में अच्छे नागरिक पैदा करने के बजाय समाज में जानवर ही खड़े करेंगी। एनिमल फिल्म रिलीज होने के बाद जब एक दर्शक से रिव्यू लिया गया तो उसका स्पष्ट कहना था एनिमल फिल्म को तो एनिमल भी नहीं देखना चाहेंगे।

आईओए कॉन्फ्रेंस 2023 में आयोजित हुआ आईओए पीजी कोर्स

प्रसिद्ध आर्थोपेडिक विशेषज्ञों ने साझा किए नवीनतम शोध, तकनीक और इलाज के तरीके

मृत्युंजय प्रताप सिंह पत्रकार

लखनऊ. एकाना स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आयोजित हो रहे 68वें वार्षिक सम्मेलन आईओए कॉन्फ्रेंस 2023 के हिस्से के रूप में इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन द्वारा एकदिवसीय आईओए पीजी कोर्स का आयोजन हुआ।

संयोजक डॉ. राजेश गुप्ता ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए निरंतर सीखने और कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ष्इस आयोजन ने युवा डॉक्टरों को अनुभवी और प्रतिष्ठत विशेषज्ञों से सीखने और अपने डायग्नोस्टिक घस्किल्स को बढ़ाने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम को चार सत्रों में विभाजित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक आर्थोपेडिक रोगियों के इलाज के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित था।

डॉ. संदीप कुमार और डॉ. विनीत शर्मा द्वारा संचालित पहले सत्र में घुटने, कोहनी, तंत्रिका चोट और सीटीईवी पर चर्चा शामिल थी।

डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. सुमित सुराल और डॉ. जी.के. सिंह द्वारा संचालित दूसरे सत्र में कूल्हे के मामलों के डायग्नोसिस को शामिल किया गया। इसमें टीबी हिप पर एक लंबी केस चर्चा और नॉन–यूनियन, ऑस्टियोमाइलाइटिस और ट्यूमर के मामले शामिल रहे।

डॉ. सुधीर कपूर, डॉ. के.के. मुखोपाध्याय और डॉ. शाह वलीउल्लाह द्वारा संचालित, तीसरे सत्र रीढ़ की हड्डी के मामलों के डायग्नोसिस पर केंद्रित था। इसमें रीढ़ की हड्डी के टीबी पर एक लंबी चर्चा और विभिन्न अन्य रीढ़ की बीमारियों पर चर्चा शामिल थी। डॉ. राजगोपालन, डॉ. आर.एन. श्रीवास्तव और डॉ. संजीव कुमार द्वारा संचालित, चौथे सत्र में वार्ड राउंड, प्रत्यारोपण और उपकरणों, ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थोटिक्स और रेडियोलॉजी पर चर्चा शामिल थी।

आईओए पीजी कोर्स के संयोजक डॉ. संजीव कुमार ने प्रतिभागियों और वक्ताओं को धन्यवाद देकर पाठ्यक्रम का समापन किया। उन्होंने कहा, ष्मुझे विश्वास है कि इस पाठ्यक्रम ने मूल्यवान अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया है, जो प्रतिभागियों को उनके प्रैक्टिस के दौरान लाभान्वित करेगा।

समाज में महिलाओं के स्वास्थ्य की विशेष देखभाल की जरूरत है : डा. प्रिया परमार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

शाहजहांपुर। विनोबा सेवा आश्रम बरतारा शाहजहांपुर के ईशावाश्यम सभागार में आश्रम से जुड़ी स्वास्थ्य शिक्षा स्वाबलंबन कार्यकर्ताओं का नियमित टीकाकरण जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण विषयों पर एक दिवसीय टी ओ टी ओरियंटेशन वर्कशॉप संपन्न हुआ जिसका शुभारंभ जमनालाल बजाज पुरुस्कार से सम्मानित विमला बहन ने दीप जलाकर किया। आश्रम संस्थापक रमेश भइया ने विनोबा जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। बहनों की व्यक्तिगत और परिवार की समस्याओं का निराकरण बताते हुए परमार्थ निकेतन आश्रम द्वारा संचालित वैश्विक स्वच्छता कार्यक्रम की काउंसलर डा प्रिया परमार ने व्यक्त करते हुए कहा कि गांव में प्रत्येक का स्वास्थ्य सुंदर रहे सबसे

अच्छी कल्पना तो यही मानी गई है फिर भी मातृ शक्ति का स्वास्थ्य अच्छा होना जिसका आशय पूरे परिवार का ही स्वास्थ्य सुंदर है। विनोबा सेवा आश्रम ने गत 43 वर्ष से शिक्षा स्वास्थ्य स्वाबलंबन के क्षेत्र में जो काम किया है उसमें कार्यकर्ता के रूप में महिला को ही कस्तूरी ज्योति लक्ष्मी क्रांति जैसे पदों पर काम का।अवसर दिया।क्योंकि महिला कार्यकर्ता बहनों के स्वास्थ्य को।गहराई से समझ सकती है। प्रशिक्षण समन्वयक श्रीमती वंदना शर्मा ने कहा कि आज गांव के बच्चों महिलाओं किशोरियों सभी को।टीकाकरण का महत्व ज्यादा से ज्यादा बताना चाहिए। गांव में जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों को भी बताने की जरूरत है। सांझा प्रयास की कमला बहन ,ने भी बहनों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं संबंधी अनेक प्रश्न उठाए। स्वाबलंबन कार्यक्रम की मृदुल लता बहन ने बहनों की आजीविका की आवश्यकता को समझाया। दिव्या।श्रीबस्तब ने शिक्षा की जरूरत और उसका महत्व बताया। केरल से पधारी रेशमी बहन ने परमार्थ निकेतन की गतिविधियों की जानकारी दी। खुशहाली परियोजना के समन्वयक मनोज मिश्रा तथा कार्यकर्ता अर्चना सिंह, कुसुमा मालती बिट्टू गीता तथा हेल्प कार्यक्रम की बहनों ने भाग लिया। सभी का आभार डा संजीव सक्सेना ने व्यक्त किया।

अज्ञात ट्रक व ट्रैक्टर चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर12 दिसंबर खुटहन थाना क्षेत्र के शेरपुर छित्तूपुर बाजार व शाहगंज वाया प्रयागराज राजमार्ग के कैराडीह गांव के मोड़ पर हुई अलग अलग दुर्घटना में मृत युवती व युवक के मामले में पुलिस ने अज्ञात चालकों के खिलाफ लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने, घटनास्थल से चोरी से भाग जाने के व गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दिया है। बीते 7 दिसंबर को थाने से पांच सौ मीटर आगे कैराडीह गांव के मोड़ पर बाइक सवार अंबेडकर जिले के निकसपुर रामनगर गांव निवासी शिवकुमार तिवारी पुत्र रामबली को पीछे से आ रहे ट्रक ने धक्का मार दिया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। बाइक पर सवार इनके भतीजे दिव्यांश भी घायल हो गया था। इन्हीं की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इसी तरह बीते 9 दिसंबर को शेरपुर छित्तूपुर बाजार में सुल्तानपुर जिले के करौंदी थाना क्षेत्र के शहाबुद्दीनपुर गांव निवासी संतोष प्रजापति अपनी बड़ी बहन 28 वर्षीय निशा को बाइक से जौनपुर लेकर जा रहा था। उक्त बाजार में गिट्टी लादकर तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर की ट्राली से दबकर निशा की दर्दनाक मौत हो गई थी। भाई की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दिया है।

खेत में गोमुंड मिलने से गांव में तनाव

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर12 दिसंबर खुटहन थाना अंतर्गत ताजूपुर गांव में मंगलवार को अरहर के खेत में फेंके मिले गोमुंड और गोवंश की खाल देख तनाव की स्थिति बन गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस गोमुंड और खाल कब्जे में लेकर थाने उठा लायी। गांव में दोपहर के समय कई चरवाहे खेत में अपना मवेशी चरा रहे थे। तभी उनकी नजर अरहर के खेत की मेड़ के बगल गोमुंड और उसके बगल पड़ी गोवंश की खाल पर पड़ी।जिसे देख वे शोरगुल करने लगे। मौके पर तमाम ग्रामीण जुट गए। एक वर्ग विशेष को लेकर लोग आक्रोशित होने लगे। तभी किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दे दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर वापस घर भेज गोमुंड और खाल थाने ले आई।

विद्यालय से एमडीएम वर्तन चोरी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 12 दिसंबर खुटहन थाना अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय डिहियां प्रथम के रसोईघर की कुंडी तोड़ चोर सोमवार की रात एमडीएम का वर्तन उठा ले गए। घटना की जानकारी दूसरे दिन सुबह होने पर प्रधानाध्यापक देवेंद्र बहादुर सिंह ने थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि चोर दो भगोना,बाल्टी,कड़ाही सहित अन्य सामान उठा ले गए। इसके अलावा कक्षा कक्षों की भी कुंडी तोड़ भीतर तोड़ फोड़ भी किए हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष की कैद

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपर सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो) काशी प्रसाद सिंह यादव की अदालत ने मड़ियाहूं क्षेत्र में 14 वर्षीय पीड़िता का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोपी को 10 वर्ष के कारावास व 18 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार पीड़िता के पिता ने अभियोग पंजीकृत करवाया कि 10 जून 2017 को 9रू00 बजे रात पीड़िता शौच के लिए बाहर गई थी, आरोपित निलेश ने उसे दबोच लिया।जबरन उसके मुंह में कपड़ा ठूंस कर, अगवा कर उसे अपनी मौसी के घर जलालपुर ले गया। धमकी देते हुए उसके साथ दुराचार किया। तीसरे दिन उसे दूसरी जगह ले गया। वहां पुलिस आ गई और दोनों को पकड़कर मडियाहू थाने लाई। पीड़िता का बयान व मेडिकल हुआ। पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। विशेष लोक अभियोजक राजेश उपाध्याय व कमलेश राय के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने आरोपी निलेश को नाबालिक के अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में दोष सिद्ध पाते हुए उक्त दंड से दंडित किया।

रालोद की पश्चिम ही नहीं पूरब में भी हर बूथ तक पहुंचने की कवायद, गोरखपुर-बनारस सम्मेलन जनवरी में

लखनऊ (संवाददाता)।लखनऊ प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में मजबूत सियासत कर रही पार्टी ने अब पूरब में भी हर बूथ तक पहुंचने की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज आदि जिलों में भी जनवरी–फरवरी में पार्टी के सम्मेलन व बैठकों का आयोजन करेगी।राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने भी लोकसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में मजबूत सियासत कर रही पार्टी ने अब पूरब में भी हर बूथ तक पहुंचने की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज आदि जिलों में भी जनवरी–फरवरी में पार्टी के सम्मेलन व बैठकों का आयोजन करेगी।

सपने में रात में आया मुरली बाला री

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अवध महोत्सव में बच्चों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गणेश जी का गीत गणनायकायें आदित्या सिंह, कुशु –कुशु प्रियाश्वी, मैया यशोदा विनिषा खरे,रात का समा आदित्या सिंह, डीजे पर मटकूंगी दिव्या यादव, से गलती से मिस्टेक रुद्राक्ष सिंह, झूम केशवरी शिवानी यादव, ऊई मां ऊई ये क्या हो गया अनन्या गौतम, वृंदावन जाऊंगी विदुषी शुक्ला, सपने में रात में आया मुरली वाला री इशिता सिंह – राज वर्मा की शानदार प्रस्तुति रही। अंत में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

पिता के जमीनी बंटवारे से परेशान युवक ने जिलाधिकारी कार्यालय केसामने किया आत्मदाह का प्रयास

मौके पर पहुंची पुलिस ने लिया हिरासत में मामले की जांच पड़ताल में जुटी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर प्रदेश सरकार द्वारा आए दिन विभिन्न तरीकों से जमीनी वादों का निस्तारण मौके पर कराया जा रहा है बावजूद इसके जिले में जमीनी विवाद के कारण आए दिन आत्मदाह करना हत्या होना आम बात हो गई है। ताजा मामला जलालपुर थाना क्षेत्र के ग्यासपुर गांवका है जहां एक पिता द्वारा अपने दो पुत्रों में से छोटे पुत्र के बच्चों को जायजाद जमीन का ज्यादा हिस्सा लिखने के कारण विवाद बढ़ गया था। आज सुबह जब अमृतलाल अपने खेत में लगे बाबुल के पेड़ को साफ सफाई कर रहा था तो मौके पर पहुंचकर भाई ने रोकने का प्रयास किया तो विवाद बढ़ गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने भी उल्टे पीड़ित को ही डांटना फटकारना शुरू कर दिया

इससे क्षुब्ध कलेक्ट्रेट परिसर में डीएम कार्यालय के सामने पहुँच कर पीड़ित ने जमीन विवाद के मामले में सुनवाई न होने पर डीएम कार्यालय के सामने दंपति ने डीजल डालकर आत्मदाह का किया प्रयास मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने पति–पत्नी को पकड़ा लिये सूचना लगते ही डीएम एसपी ने पीड़ित का पूरा मामला सुना और थानाध्यक्ष को बुलाया पूछताछ कर घटना के निस्तारण के लिए दोनों पक्षों को थाने पर भेज दिया। पीड़ित अमृत लाल ने बताया कि हमलोगों की पुस्तैनी जमीन है जो मेरे भाई बोने–जोतने नही दे रहे हैं। आज सुबह बबूल का पेड़ काट रहा था तभी फिर से रोका गया। एसओ जलालपुर के ऊपर आरोप लगाते हुए कहाकि पुलिस ने गली दी और बोने–जोतने और पेड़ काटने से मना कर दिया। जिससे आजीज आकर मैं और मेरी पत्नी दोनों डीएम कार्यालय पर आत्मदाह करने आ गया क्योंकि हम लोगो को इंसाफ नही मिल रहा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर बृजेश कुमार ने बताया कि जलालपुर थाना क्षेत्र के गयासपुर गांव में जमीनी विवाद के मामले में अमृतलाल और उसके भाई मारकंडे से न्यायालय में चल रहा है अमृतलाल के पिता ने मारकंडे के बच्चों के नाम वसीयत कर दिया है आज उसी खेत में लगी बबुल के पेड़ काटने को लेकर दोनों में विवाद हुआ ।पति पत्नी ने आत्मदाह का प्रयास किया जिन्हें मौके पर पुलिस ने बचा लिया है दोनों पक्षों को थाने भेज दिया गया है विधि कार्रवाई की जा रही है पूरे मामले की जांच की जा रही है।

आप पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ का हुआ गठन प्रदेश सचिव व जिलाध्यक्ष हुए नियुक्त

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले आम आदमी पार्टी द्वारा लगातार पार्टी के सभी प्रकोष्ठ का विस्तार करते हुए जिला व प्रदेश स्तर तक पदाधिकारी नियुक्त किए जा रहे हैं। इसी संदर्भ में जितेन्द्र अग्रहरी (बंटी) को व्यापार प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया। रोहित सिंह को व्यापार प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। तथा डॉ. जे बी सिंह को पंचायत प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी में स्थान मिला। उक्त तीनों पदाधिकारी जनपद जौनपुर के निवासी हैं जो कि आम आदमी पार्टी जौनपुर में कार्यरत हैं।

नवनियुक्त पदाधिकारियों के नियुक्ति पत्र जारी होने पर पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉ अनुराग मिश्रा, जिलाध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह, व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव हींच नारायण तिवारी, समाजसेवी शत्रुघ्न सिंह, जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी, व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष विजय पाठक, पंचायत प्रकोष्ठ डॉ. विनोद सिंह वत्स, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अनीता मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष वंदना मिश्रा, जिला सचिव शैलेंद्र यादव, शिक्षक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुषमा मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष साधना त्रिपाठी, महासचिव पूजा सिंह, महासचिव विनोद प्रजापति, सचिव विद्याधर मिश्रा, पंचायत प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मनीष सिंह, जिला सोशल मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह, जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव, जिला कोषाध्यक्ष डॉ दिवाकर मौर्य, शशिधर चौहान, जिला सचिव अमित श्रीवास्तव, राजेंद्र सिंह आदि ने बधाई दिया।

उक्त जानकारी पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी अतुल तिवारी द्वारा दिया गया।

ग्राम प्रधान के भाई पर मारपीट का आरोप मुकदमा दर्ज

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के पटरंगा पुलिस ने ग्राम प्रधान के भाई पर मारपीट की धारा मे मुकदमा दर्ज कर लिया।बताया जाता है कि रविवार को कोपेपुर गांव निवासी सुलेमान पुत्र सोहराब द्वारा पुलिस की दी गई तहरीर में आरोप है कि सुबह करीब 7 बजे अपने घर से खेत जा रहा था।जैसे ही गांव के बाहर रास्ते पर बनी दरगाह के जंगल के पास पहुंचा ही था। कि जंगल मे पहले से घात लगाकर बैठे गांव निवासी बब्बू उर्फ फहीम पुत्र मुजाहिद लाठी से मारना शुरु कर दिया।मारपीट के दौरान पीड़ित के हाथ व आँख और सर मे भी चोट आई। विरोध करने पर मां बहन की गन्दी गन्दी गाली व जान से की धमकी देते हुए कहा कि जहा भी शिकायत करना है कर लो हमारा भाई प्रधान है हमारा कुछ भी नही बिगाड़ सकते हो।मामले को लेकर थानाध्यक्ष ओम प्रकाश ने बताया कि सुलेमान की तहरीर पर बब्बू उर्फ फहीम पर मारपीट की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जांच की जा रही है।

ज्ञान हासिल किया, अब सेवा की बारी

लखनऊ (संवाददाता)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षांत समारोह में रविवार को डॉक्टरों की नई पौध का पदक और डिग्री देकर सम्मान किया गया। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेधावियों से कहा कि ज्ञान हासिल करने के बाद अब मरीजों के इलाज और सेवा करने की उनकी बारी है। दीक्षांत समारोह में विवि का सबसे प्रतिष्ठित हीवेट पदक अक्षिता विश्वनाद्या और चांसलर मेडल लिपिका अग्रवाल को दिया गया।मुख्य अतिथि के रूप में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव डॉ. अभय करंदीकर उपस्थित रहे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समारोह की अध्यक्षता की। डॉ. अभय करंदीकर के साथ ही केजीएमयू के पूर्व कुलपति प्रो. महेंद्र भंडारी को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान अक्षिता को हीवेट समेत 10 पदक, लिपिका अग्रवाल को चांसलर समेत 12 पदक, प्रांजलि सिंह को बीडीएस में टॉप करने पर 11 पदक, डॉ. नेहा कुमारी को एमडी–एमएस में टॉप करने पर दो पदक दिए गए।

रालोद की पश्चिम ही नहीं पूरब में भी हर बूथ तक पहुंचने की कवायद, गोरखपुर-बनारस सम्मेलन जनवरी में

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने भी लोकसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में मजबूत सियासत कर रही पार्टी ने अब पूरब में भी हर बूथ तक पहुंचने की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज आदि जिलों में भी जनवरी–फरवरी में पार्टी के सम्मेलन व बैठकों का आयोजन करेगी। साथ ही लोकसभा की सीटों को भी तीन श्रेणी में बांटकर तैयारी शुरू की जाएगी। रालोद ने पिछला लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ा था।

इस बार भी वह इंडिया (आईएनडीआईए) गठबंधन में शामिल है। पार्टी प्रदेश में पश्चिम के साथ पूरब में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए नए सिरे से तैयारी में जुटी है। शनिवार को हुई प्रदेश कार्य समिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भी इसका संदेश दिया। उन्होंने पार्टी को पूरब से पश्चिम तक हर क्षेत्र में बूथ स्तर पर ले जाने का आह्वान किया। तय हुआ है कि पार्टी सभी मंडलों में सम्मेलन करेगी व बूथ स्तर तक संगठन खड़ा करेगी। पार्टी लोकसभा क्षेत्रों को ए, बी व सी में बांटकर काम करेगी। इसमें ए में 15 से 20 सीटें, जहां वह अपने को मजबूत मानती है। बी में 20 सीट जहां वह मध्यम स्थिति में है और सी में 20 वह सीटें जहां उसे काफी काम करने है, में रखा है। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि हम अब पश्चिमी क्षेत्र तक नहीं सिमटे हैं। लखनऊ में हुए कार्यक्रम में एकत्र लोगों से पता चलता है कि काफी लोग जयंत चौधरी में विश्वास कर हमसे जुड़ रहे हैं। जनवरी में हम गोरखपुर व बनारस में बैठक व सम्मेलन करेंगे। लोकसभा चुनाव में 15 से 20 सीटों पर हम जनवरी तक बूथ प्रभारी व सेक्टर प्रमुख तैयार कर लेंगे। इसके बाद अगली 20 सीटों तक जमीन स्तर पर संगठन को खड़ा करेंगे। प्रदेश में हर क्षेत्र में सम्मेलन व कार्यक्रम करके भी पार्टी हर व्यक्ति तक पहुंचेगी। 23 से 31 दिसंबर तक चलो गांव की ओर, चौपाल, पदयात्रा, नुक्कड़ सभा। सात जनवरी को मेरठ में युवा संसद का आयोजन। 12 जनवरी विवेकानंद जयंती से 23 जनवरी नेता जी सुभाषचंद्र बोस जयंती तक युवा संकल्प यात्रा। इसमें युवा सम्मेलन, किसान सम्मेलन, लोकतंत्र संविधान बचाओ सम्मेलन का आयोजन होगा। 12 फरवरी चौधरी अजित सिंह की जयंती से 28 फरवरी चंद्रशेखर आजाद जयंती तक मंडल सम्मेलन। इसमें भाईचारा सम्मेलन, सामाजिक न्याय सम्मेलन, महिला व मजदूर सम्मेलन होंगे। इसके लिए गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज आदि जिलों में भी जनवरी–फरवरी में पार्टी के सम्मेलन व बैठकों का आयोजन करेगी। साथ ही लोकसभा की सीटों को भी तीन श्रेणी में बांटकर तैयारी शुरू की जाएगी।

बागवानों को ट्रॉफी, इतराई गुलदाऊदी

लखनऊ (संवाददाता)। एनबीआरआई का सेंट्रल लॉन गुलदाऊदी व कोलियस की ढेरों किस्मों से सजा हुआ था। वहीं बड़ी संख्या में बागवानों की मौजदूगी में पुष्प प्रदर्शनी के दौरान गुनगुनी धूप में पुष्प प्रेमी आनंद विभोर रहे। फूलों के बारे में समझते, सेल्फी लेते लोग उस वक्त मंच के सामने आकर इकट्ठा हो गए, जब पुरस्कार वितरण शुरू हुआ। बागवानों के हाथ में ट्रॉफियां आते ही तालियां गूंजने लगीं।

तिहरा हत्याकांड अंजाम देने वाले अभियुक्तों की समयपूर्व रिहाई याचिका नामंजूर

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ बता दें कि केंद्रीय कारागार आगरा में निरुद्ध कैदी जर्नादन, कालीचरन और सुभाष अलीगढ़ के थाना क्वार्सी क्षेत्र के ईकरी गांव के निवासी हैं। तीनों ने अपने 12 साथियों के साथ मिलकर 28 जुलाई 1994 को घातक हथियारों की मदद से राम सिंह, वीरपाल, मंगल सिंह की हत्या कर दी थी।करीब तीस साल पहले अलीगढ़ में तीन लोगों की हत्या करने वाले तीन अभियुक्तों की समयपूर्व रिहाई की याचिका को राज्यपाल ने नामंजूर कर दिया है। शासन ने इसकी जानकारी कारागार मुख्यालय को दी है।

सही दिशा प्राप्त करने का एकमात्र माध्यम ज्योतिष शास्त्र - संजय रथ, पांच दिवसीय ज्योतिष महोत्सव का हुआ शंखनाद

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) सरयू पुल के पार स्थित रायल हेरिटेज होटल में सोमवार को ज्योतिष महाकुंभ का भव्य शंखनाद पूर्वान्ह 11 बजे हुआ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता बैजंत जय पांडा ने महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। इसके बाद देश–विदेश के नामी ज्योतिषियों ने अपने व्याख्यान दिए। महोत्सव के पहले दिन भारत सहित 28 देशों के एक सौ ज्योतिषियों ने प्रतिभाग किया। शुभारंभ अवसर पर महोत्सव के आयोजक मिल्कीपुर के पूर्व भाजपा विधायक गोरखनाथ बाबा, विधायक कुंवर सुशांक सिंह, विधायक प्रतीक भूषण सिंह की भी गरिमामई उपस्थिति रही।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रवक्ता बैजंत जय पांडा ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में ज्योतिष का बड़ा महत्व है भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है अर्थव्यवस्था में भारत ने विश्व में पांचवा स्थान हासिल किया है। देश के प्रख्यात ज्योतिषाचार्य संजय रथ ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि ज्योतिष वेदों जितना ही प्राचीन है। प्राचीन काल में ग्रह, नक्षत्र और अन्घ्य खगोलीय पिण्घ्डों का अध्घ्ययन करने के विषय को ही ज्घ्योतिष कहा गया था। इसके बारे में वेदों में स्घ्पष्घ्ट गणनाएं दी हुई हैं। ज्योतिष विज्ञान के अन्वेषक महर्षियों ने इस ब्रह्माण्डीय ऊर्जा प्रवाहों को चार चरणों वाले सत्ताइस नक्षत्रों, बारह राशियों एवं नवग्रहों में वर्गीकृत किया है। ग्रह नक्षत्रों की गणना एवं निरूपण मनुष्य जीवन के लिए महत्वपूर्ण होते हैं और यह व्यक्तित्व की परीक्षा की भी एक कारगर तकनीक है और इसके द्वारा किसी व्यक्ति के भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पता किया जा सकता है साथ ही यह भी मालूम हो जाता है कि व्यक्ति के जीवन में कौन–कौन से घातक अवरोध उसकी राह रोकने वाले हैं अथवा प्रारब्ध के किस दुर्योग को उसे किस समय सहने के लिए विवश होना पड़ेगा और ऐसे समय में ज्योतिष शास्त्र ही एकमात्र ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा जातक को सही दिशा प्राप्त होती है। महोत्सव के आयोजक गोरखनाथ बाबा ने कार्यक्रम में पहुंचे देश–विदेश के ज्योतिषियों का स्वागत सम्मान किया।

25 गौरवशाली वर्ष–सरस्वती डेंटल कॉलेज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इस महीने भर चलने वाले रजत जयंती समारोह का 11वां दिन आज डॉ. महिंदर सिंह और डॉ. अमित कुमार यादव की कड़ी अंपायरिंग में रमन और कृष्णन टीमों के बीच लड़कों के क्रिकेट मैच के साथ शुरू हुआ। रमन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। 210 रनों के विशाल लक्ष्य में कृष्णन हाउस ने बेहतर प्रदर्शन किया और विजेता बनी। रमन हाउस 6 विकेट के नुकसान पर 150 रन ही बना सका. मैन ऑफ द मैच कान्हा रहे और 'सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज अमन यादव रहे जिन्होंने 100 रन' बनाए।

'नज्म–ए–इरशाद' नाम से बहुप्रतीक्षित काव्य प्रतियोगिता का भी आज आयोजन किया गया। चावला हाउस से प्रतिभागी थे– डॉ. सुमित मिश्रा (फैकल्टी), श्वेता यादव, शिप्राशी और अलीजा, जबकि रमन से डॉ. शैफाली अग्रवाल (फैकल्टी), निशु कुमारी, महक तुलस्यान, समीक्षा झा। टैगोर– डॉ. प्रीति शुक्ला (फैकल्टी), प्रतीश जायसवाल, बुशरा खान, वैभव मिश्रा और कृष्णन से डॉ. कनक तिवारी (फैकल्टी), डॉ. द्रुतिका ढोबले, निधि सिंह, प्रीति जयसवाल।

कार्यक्रम के निर्णायक थेरू डॉ. कमलेश सिंह, डॉ. सुलेमान अब्बास, डॉ. अभिषेक गौड़ और डॉ. सशक्त कहानी।

काव्य आयोजन स्वलिखित कविताओं की सुंदर परिणति थी। षकितने धागे बंधे हैं इस जाल में, बस तेरा मन्ना थोड़ी सी है! या तू जो चाहे, नतीजा भी कुछ हासिल हो, ये जरूर थोड़ी सी है– बुशरा

प्रथम स्थान चावला हाउस, दूसरा स्थान कृष्णन और तीसरा स्थान रमन हाउस ने प्राप्त किया। यह आयोजन साहित्यिक प्रमुख डॉ.श्वेता सिंह और साहित्यिक सचिव–दीपांशु, रामस्वरूप, संयुक्त सचिव–प्रतीश, इंजिला, परिधि, शगुन, रुचिता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

SDC-H के बारे में आज की जानकारी'

ओरल और मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी एक विशेषज्ञता है जो मौखिक और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्रों को प्रभावित करने वाली बीमारियों की प्रकृति, पहचान और प्रबंधन से संबंधित है। इस प्रकार, यह मौखिक और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्रों में एक अद्वितीय स्थान रखता है। मौखिक और मैक्सिलोफेशियल रोगविज्ञानी में नैदानिक और प्रयोगशाला दोनों घटक शामिल हैं। उन्हें न केवल मौखिक और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्र को प्रभावित करने वाली बीमारियों का निदान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, बल्कि वे मैक्सिलोफेशियल कॉम्प्लेक्स के विभिन्न रोगों के लिए नैदानिक सेटिंग में रोगियों का इलाज भी करते हैं। वे दंत चिकित्सा में एकमात्र सक्षम पेशेवर हैं जो मौखिक और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्र से संबंधित सभी मामलों के लिए हिस्टोपैथोलॉजिकल और साइटोलॉजिकल रिपोर्ट के रूप में अंतिम निदान प्रदान कर सकते हैं।

सरस्वती डेंटल कॉलेज में ओरल और मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी और ओरल माइक्रोबायोलॉजी संस्थान वर्ष 1998 में स्थापना के साथ शुरू हुआ। विभाग का नेतृत्व भारत में ओरल पैथोलॉजी के सबसे वरिष्ठ और अग्रणी प्रोफेसर (डॉ.) आर. एम. माथुर से मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य था। विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम 2006 में प्रति वर्ष 2 छात्रों के प्रवेश के साथ शुरू किया गया था, और 2009 में डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त थी। विभाग से बड़ी संख्या में स्नातक उत्तीर्ण हुए हैं। दुनिया भर में नियुक्त किया गया। विभाग ने शैक्षणिक और अनुसंधान में जबरदस्त प्रगति की हैय यह राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। (हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षाएंरू 12000 साइटोलॉजिकल परीक्षाएंरू 30,000)।

शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और अनुसंधान के लिए उत्कृष्ट सुविधाओं के लिए सरस्वती डेंटल कॉलेज को एनआईआरएफ द्वारा रैंकिंग और एनएएसी, बेंगलुरु द्वारा ए ग्रेड दिया गया है। यह अपनी आउटरीच, लिंकेज और अपने हरे–भरे स्वच्छ और हरे–भरे परिसर के लिए जाना जाता है। रजत जयंती का उल्लासपूर्ण माहौल इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है।

भगवंत सिंह ने ग्रीको रोमन स्पर्धा में अवध विवि को दिलाया पहला कांस्य पदक

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)। पंजाब के चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली में चल रही ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के ग्रीको रोमन स्पर्धा के 82 किलोग्राम भार वर्ग में अवध विश्वविद्यालय के छात्र भगवंत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय को प्रतियोगिता का पहला कांस्य पदक दिलाया, इसी के साथ भगवंत सिंह ने खेलो इन्डिया यूनिवर्सिटी खेल के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इस टीम के मैनेजर के.के. तिवारी एवं कोच प्रेम चन्द यादव रहें।विजेता खिलाड़ी की इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने भगवंत सिंह को बधाई दी। उन्होंने कहा कि निरन्तर अभ्यास से लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। खिलाड़ी के कठिन परिश्रम ने विश्वविद्यालय को पहला कांस्य पदक दिलाया। विश्वविद्यालय क्रीडा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु सिंह एवं क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने विजेता खिलाडी को बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है। क्रीड़ा सचिव ने बताया कि प्रतियोगिता में कुश्ती पहलवानों से अभी और पदकों की उम्मीद है। विजेता खिलाड़ी की सफलता पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ला, कुलसचिव डॉ. अंजनी कुमार मिश्र, कुलानुशासक प्रो. एस. एस. मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह, प्रो. जसवंत सिंह, विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र वर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. संग्राम सिंह,महामंत्री डॉ. राना रोहित सिंह, डॉ. अनुराग पांडेय, प्रो. अमूल्य कुमार सिंह, डॉ. विनय सिंह, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. प्रवीन सिंह, डॉ. सन्तोष गौड़, डॉ. नागेंद्र सिंह, डॉ. पूनम जोशी, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. कपिल राणा, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ. अर्जुन सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

गीता महोत्सव में शामिल होंगे प्रवासी धर्माचार्य विवेक शुक्ल

रविवार को आयोजित होने वाले विराट गीता महोत्सव की तैयारियों पर आयोजन समिति ने लिया जायजा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। नगर के रामलीला परिसर में आगामी 17 दिसम्बर रविवार को प्रातः 10 बजे से आयोजित हो रहे गीता गोष्ठी के 24 वें विराट–महोत्सव में शामिल होने के लिए अमेरिका में सनातन धर्म के प्रचार प्रसार में सक्रिय आध्यात्मिक विद्वान विवेक शुक्ल जनपद में आ रहे हैं।

इस आशय की जानकारी देते हुए आयोजन के संयोजक इंजी. सुरेश दूबे ने रामलीला परिसर के शिवमंदिर में आयोजन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महोत्सव में हरिद्वार वाराणसी व अयोध्या के धर्माचार्य के संरक्षण में प्रवचन का विचार बिन्दु श्सनातन धर्म के परिप्रेक्ष्य में गीता का महात्मयश रखा गया है। जिस पर राष्ट्रवादी विचारक जनार्दन सिंह द्वारा विषय प्रवर्तन कर धर्माचार्यों से विचार आमंत्रित किया जाएगा । इसके अतिरिक्त विश्व के आध्यात्मिक धरातल पर गीता का वैश्विक प्रभाव पर प्रवासी विद्वान विवेक शुक्ल प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत प्रस्तुति का दायित्व किरन पाण्डेय व प्रतीति पाण्डेय को सौंपा गया है।

बैठक में आयोजन समिति ने आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया और उपस्थित सदस्यों द्वारा महोत्सव को विराट बनाने के लिए नगर के सभी धर्माचार्यों को निमंत्रित करने के साथ घर घर में आमंत्रण पत्रक देकर रविवार को प्रातः 10 बजे से नगर भ्रमण करने वाली गीता प्रसार यात्रा में प्रतिभाग व सभी श्रद्धालुओं को आयोजन में शामिल कराने के लिए व्यापक जनसंपर्क करने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर उत्तम कुमार शुक्ल , छेदी लाल सैनी, राम प्रहलाद, संत कुमार त्रिपाठी, सुरेश नारायण द्विवेदी, रमेश कुमार मिश्र, राम अनुज दूबे, सच्चिदानंद दूबे, विकास मिश्र, अमित सिंह, दीनानाथ मिश्र, संजय सिंह, उमानाथ, संजीव शर्मा, आर के लाल श्रीवास्तव, आर जे शुक्ल यदुराय, चन्द्र भालु मिश्र, प्रदीप कुमार शर्मा, राम करन, नारायण प्रसाद, उमेश कुमार, राजेश दूबे एवं सुनील कुमार दूबे मौजूद रहे।

जन सामान्य तक सभी सुविधाओं का लाभ ही विकसित भारत यात्रा का लक्ष्य

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या मंडल भारतीय जनता पार्टी की तरफ से जिला प्रशासन के सहयोग से अयोध्या नगर निगम के अयोध्या मंडल के विभिन्न वार्डों में विकसित भारत यात्रा के माध्यम से जन सामान्य को सरकार के द्वारा किए गए समस्त कार्यों की जानकारी प्रदान कर करके उन सभी को योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न वार्डों के पार्षद माननीय जनप्रतिनिधि अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता महापौर गिरीश त्रिपाठी माननीय सांसद लल्लू सिंह महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव मंडल अध्यक्ष बालकृष्ण वैश्य एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पदाधिकारी का सहयोग प्राप्त हुआ। अभियान के मंडल संयोजक मुकेश तिवारी जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार जनसामान्य की सरकार है और सभी लोगों को योजनाओं का लाभ देने का पूरा प्रयास किया जाएगा। मंडल मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से सभी को मोदी एवं योगी सरकार के द्वारा किए गए कार्यों को विस्तार पूर्वक बताया जा रहा है, हर घर तक जनसुविधा का लाभ पहुंचे यही मोदी की गारंटी है और मोदी की गारंटी अभी हाल में ही विधानसभा चुनाव में आप प्रचंड बहुमत के रूप में देख चुके हैं। जनता को मोदी की गारंटी पर पूरा विश्वास है और लोकसभा चुनाव में मोदी की गारंटी पर प्रत्येक भारतवासी विशाल बहुमत से पुनः मोदी की गारंटी पर मोदी की सरकार बना कर भारत को विकसित बनाए।

शिवसेना के राज्य प्रमुख अभय द्विवेदी के नेतृत्व में सैकड़ो युवाओं ने शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की

अयोध्या।मऊ शिवाला स्थित शिवसेना पार्टी कार्यालय पर शिवसेना के राज्य प्रमुख अभय द्विवेदी के नेतृत्व में सैकड़ो युवाओं ने शिवसेना की सदस्यता ग्रहण किया। वही शिवसेना के राज्य प्रमुख अभय द्विवेदी ने अवनीश तिवारी को युवा मोर्चा का जिला प्रमुख व ऋषभ पांडे को युवा मोर्चा का महानगर अध्यक्ष का पद ग्रहण करा कर शिवसेना को मजबूत करने व ग्रामीण स्तर पर भी सदस्य जोड़ने की की जिम्मेदारी दिया। वही राज्य प्रमुख अभय द्विवेदी ने बताया कि शिवसेना पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेशानुसार पूरे भारत में शिवसेना का गठन किया जा रहा है। हर प्रदेश में हर जिले में गठन किया जा रहा है। पार्टी को ग्राम स्तर तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उसी के तहत उत्तर प्रदेश में राज्य प्रमुख होने के नाते मुझे भी जिम्मेदारी दी गई है। उसी क्रम में मैं उत्तर प्रदेश के सभी जिले में गठन कर रहा हूँ। और जिन लोगों को जिला अध्यक्ष बनाया जा रहा है। उनको जिम्मेदारी दी जा रही है। की एक एक ग्राम सभा में जाकर एक–एक घरों में जाकर शिवसेना का सदस्य बनाया जाए। क्योंकि जब तक ग्राम सभाएं तक हमारी पार्टी नहीं पहुंचेगी। तब तक हमारी पार्टी सफल नहीं हो पाएंगी। उसी क्रम में आज अयोध्या जनपद में शिवसेना युवा मोर्चा का गठन किया गया है। जिसमें शिवसेना का युवा मोर्चा का जिला अध्यक्ष अवनीश तिवारी व युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष ऋषभ पांडे को बनाकर पार्टी की जिम्मेदारी दी गई है। हम लोग इसी तरह से अयोध्या जनपद में भी ग्रामीण स्तर तक शिवसेना पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। वही युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष ऋषभ पांडे ने बताया कि शिवसेना के राज्य प्रमुख अभय द्विवेदी ने मुझको शिवसेना का राज्य युवा मोर्चा का महानगर अध्यक्ष घोषित किया है। मैं पूरी निष्ठा ईमानदारी से पार्टी के लिए काम करूंगा और शहर से लेकर गांव स्तर तक शिव सेवा के सदस्यों को जोड़ने व शिवसेना को मजबूत करने का कार्य करूंगा। मैं राज्य प्रमुख अभय द्विवेदी जी का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझको इस लायक समझा और पार्टी की जिम्मेदारी दी। इस अवसर पर मयंक मिश्रा प्रदेश सचिव, अनुराग पांडे जिला प्रभारी, विकास यादव, राहुल विश्वकर्मा पवन तिवारी सुधाकर सिंह अविनाश सिंह विशाल सिंह फूलचंद यादव सूर्यवंशी तिवारी राजकुमार अरुण कुमार विवेक यादव सचिन शुक्ला आदि सम्मानित लोग मौजूद रहे।

स्वर्गीय प्रभात सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि पर मेधावी छात्रों को मिलेगी साइकिल और पन्द्रह हजार जरूरतमंदों को कंबल - शिवेंद्र सिंह।

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)5 जनवरी को गत वर्ष के भांति इस वर्ष भी परंपरागत रूप से पूरा ब्लॉक प्रमुख व ब्लॉक प्रमुख संघ के जिला अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह गरीबों निराश्रितो असहायो व वृद्धि जनों को निशुल्क कंबल तथा मेधावी छात्राओं को साइकिल व सिलाई मशीन वितरण करेंगे कार्यक्रम का आयोजन अयोध्या विधानसभा की मड़ना ग्रामसभा के संस्थान के सिविर कार्यालय पर पूर्वाह्न 11:00 से किया जाएगा सोमवार को शहर के होटल में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी संस्थान के प्रबंधक स्वयं शिवेंद्र सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि वैसे तो यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है इस बार यह कार्यक्रम स्वर्गीय पिताजी प्रभात सिंह जी के द्वितीय पुण्य स्मृति पर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में करीब पंद्रह हजार जरूरतमंद लोगो को कम्बल तथा विकासखंड पूरा बाजार की प्रत्येक ग्राम सभा में हाई स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को साइकिल का वितरण किया जाएगा।इसके अलावा आर्थिक स्थिति से कमजोर परिवार की बालिकाओं को सिलाई मशीन भी वितरित की जाएगी।श्री सिंह ने बताया कि करीब डेढ़ हजार से अधिक छात्र छात्राओं को पठन पाठन सामाग्री वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है।इसके लिए संस्थान के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा युद्ध स्तर पर शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क किया जा रहा है। बताया गया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि प्रदेश सरकार के कई मंत्री, रामनगरी के कई प्रमुख संत धर्माचार्य,जिले के प्राध्यापक,समाजसेवी, वरिष्ठ अधिवक्ता और प्रबुद्धजन शामिल होंगे।

हर्षोल्लास पूर्वक वार्षिक मेले का हुआ आयोजन

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)। शहर के देवकाली स्थित एम.आई.एस इंटरनेशनल स्कूल में हर्षल्लास के साथ वार्षिक मेले का आयोजन किया गया स इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मधुबन सिंह एसपी सिटी अयोध्या व सलिल पटेल एडीएम सिटी अयोध्या का स्कूल के प्रबंधक सलिल अग्रवाल, अध्यक्ष महावीर अग्रवाल सचिव श्रीमती अनुमेहा अग्रवाल के द्वार का स्वागत किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन के साथ की गयी।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में आयें।

मधुबन सिंह ने बच्चों को अपने संदेश में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम मै बच्चों के बढ़ चढ़ के भाग लेने से जीवन में बच् बच्चों को एक नया अनुभव मिलता है वह श्री सलिल पटेल जी ने अपने संदेश में कहा कि विद्यालय में पढ़ाई लिखाई के साथ–साथ इस प्रकार के कार्यक्रम से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है ।

कार्यक्रम के संचालन में प्रिंसिपल सरिता चौहान अध्यापक योगेंद्र कुमार गुप्ता, संजय श्रीवास्तव,पूनम पाण्डेय,कंचन गुप्ता,मुकेश कुमार,विक्रम दुबे,अनुपम पाण्डेय,पंकज तिवारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा

स्कूल प्रबंधक सलिल अग्रवाल ने कार्यक्रम के संचालन को लेकर बच्चों के उत्सह की तारीफ की , इसके साथ बच्चों के द्वार लगाएँ।खेलों के लिए उपहार देकर उनको सम्मानित किया गया, बच्चों की रुचि देख कर अभिभावक भी स्कूल की तारीफ करते नजर आये स स्कूल के प्रगति उत्थान के लिए शुभकामनाएं दी।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता में अवध विवि को मिला पहला कांस्य पदक।

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)। पंजाब के चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली में चल रही ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के ग्रीको रोमन स्पर्धा के 82 किलोग्राम भार वर्ग में अवध विश्वविद्यालय के छात्र भगवंत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय को प्रतियोगिता का पहला कांस्य पदक दिलाया, इसी के साथ भगवंत सिंह ने खेलो इन्डिया यूनिवर्सिटी खेल के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इस टीम के मैनेजर के.के. तिवारी एवं कोच प्रेम चन्द यादव रहें।विजेता खिलाड़ी की इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने भगवंत सिंह को बधाई दी। उन्होंने कहा कि निरन्तर अभ्यास से लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। खिलाड़ी के कठिन परिश्रम ने विश्वविद्यालय को पहला कांस्य पदक दिलाया। विश्वविद्यालय क्रीडा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु सिंह एवं क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने विजेता खिलाडी को बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है। क्रीड़ा सचिव ने बताया कि प्रतियोगिता में कुश्ती पहलवानों से अभी और पदकों की उम्मीद है। विजेता खिलाड़ी की सफलता पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ला, कुलसचिव डॉ. अंजनी कुमार मिश्र, कुलानुशासक प्रो. एस. एस. मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह, प्रो. जसवंत सिंह, विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र वर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. संग्राम सिंह,महामंत्री डॉ. राना रोहित सिंह, डॉ. अनुराग पांडेय, प्रो. अमूल्य कुमार सिंह, डॉ. विनय सिंह, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. प्रवीन सिंह, डॉ. सन्तोष गौड़, डॉ. नागेंद्र सिंह, डॉ. पूनम जोशी, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. कपिल राणा, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ. अर्जुन सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

सामूहिक विवाह में एक दूजे के हुए 116 जोड़े

सुल्तानपुर– मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आज बल्दीराय ब्लॉक परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 116 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस दौरान बड़ी संख्या में वर–वधू के परिजन शामिल हुए।मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बल्दीराय ब्लाक परिसर में 65 ग्राम पंचायतों के चयनित लाभार्थियों का विवाह कार्यक्रम आयोजित हुआ। योजना के तहत हिंदू व मुस्लिम 116 जोड़ों ने हिस्सा लेकर एक दूजे के हुए। विवाह कार्यक्रम में 114 हिंदू जोड़ों ने विद्वान पंडितों की ओर से कराए गए समस्त संस्कारों को पूरा करते हुए एक दूसरे के साथ सात फेरे लिए।कार्यक्रम में अल्पसंख्यक वर्ग के 2 जोड़ों को मौलाना मोहम्मद अकरम ने निकाह पढ़ाया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा सिंह,ब्लाक प्रमुख शिवकुमार सिंह,जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित सिंह,तहसीलदार घन श्याम भारतीय,बीडीओ सत्य नारायण सिंह,हलियापुर थानाध्यक्ष अंजू मिश्रा,बल्दीराय थानाध्यक्ष आर.बी सुमन ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए विवाह प्रमाणपत्र और सभी नव विवाह जोड़ों को उपहार भी प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान लोगों के लिए जलपान व भोजन की व्यवस्था की गई थी। इस मौके पर एडीओ पंचायत दयावंत सिंह,श्याम प्रीत,प्रधान मोहम्मद सम्मू उर्फ पप्पू,एडीओ समाज कल्याण मुदित शंकर,प्रधान प्रतिनिधि रोहित सिंह,सचिव अरविंद सिंह,जिला पंचायत सदस्य नरेश चंद उपाध्याय दीपू,पुर जिला पंचायत सदस्य दारोगा यादव,प्रधान प्रतिनिधि शिव सिंह,सचिव दीप्ति यादव,सचिव प्रियंका साहू,एडीओ आईएसबी शिवकुमार,रोहित चंद्रा, रविकुमार राणा, घन श्याम यादव,प्रधान बलराम यादव,प्रधान दुर्गेश सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

22 जनवरी को राम लला के मंदिर मे मूर्ति की स्थापना के साथ देश की राजनीतिक दशा और दिशा तय होगी

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)22 जनवरी विश्व के इतिहास में ऐतिहासिक पल होगा देश के दूसरी बार बने लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी 500सौ साल से प्रतीक्षित मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम लला की मूर्ति की स्थापना विधिवत पूजन और अर्चन के साथ होगी। इससे देशवासियो मे हिन्दुत्व की जबरदस्त लहर देखी जा रही है, जिसका परिणाम हाल मे हुए राज्यो के चुनाव मे दिखाई पडा।ऐतिहासिक पल की चर्चा कचहरी में मोदी चाय के साथ बैठी विद्वानोंअधिवक्ताओंकी सभा मेंभारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता वीरभानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई। यह ऐतिहासिक पल देश के राजनीतिक दशा और दिशा तय करने में तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और पूरे विश्व में हिंदुत्व जागरण का मजबूत आधार बनेगा और देश के ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत आधार वाली केंद्र मेंभारतीय जनता पार्टी की 2024 में सरकार बनने का रास्ता तय होगा। इस अवसर पर प्रोफेसर के एम सिंह ने कहा कि हिंदुत्व जागरण की पूरे देश में लहर चल रही है इसका परिणाम अभी हाल में हुए तीन प्रदेशों के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत ने स्वयं सिद्ध कर दिया है। इस जीत के असली हकदार देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनहित कार्यों का परिणाम है। इसका समर्थन भाजपा के नेता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता बलराम वर्मा वरिष्ठ अधिवक्ता जेपी तिवारी, नाथ बक्स सिंह ,सेवानिवृत्त एसडीएम अजय उपाध्याय,बरिष्ठ अधिवक्ता कृष्णकांत पांडे दिनकर,कैलाश बिहारी पाठक, विजय शंकर पाण्डेय इन्जीनियर राम धीरज पान्डेय, भाजपा महानगर कार्यालय मंत्री बबलू मिश्रा आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।